शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 126 | गुवाहाटी | गुरुवार, 5 दिसंबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

ब्रिटेन की संसद में गूंजा बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा का मुद्दा पेज 2
मुख्यमंत्री हिमंत ने केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी अर्जुन राम मेघवाल और ... पेज 3
अमृतसर में दरबार साहिब के बाहर सुखबीर सिंह बादल पर चली गोली, बाल-बाल बचे पेज 5
सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन में बतौर निदेशक शामिल हुई सारा पेज 7

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

असम में गोमांस पर बैन

गुवाहाटी। असम की हिमंत विश्व सरकार ने बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने राज्य के होटल-रेस्टोरेंट में गोमांस पर बैन लगाया दिया है। सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करके बताया कि मंत्रिमंडल ने राज्य के होटलों, रेस्टोरेंट्स और सार्वजनिक स्थानों पर गोमांस पर प्रतिबंध लगाने का फैसला लिया है। सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि असम में गो-हत्या रोकने के लिए हम 3 साल पहले कानून लाए थे। इस कानून से हमें गो-हत्या के खिलाफ काफी सफलता मिली है। अब हमने फैसला लिया है कि राज्य में किसी होटल, रेस्टोरेंट या सार्वजनिक स्थान पर बीफ नहीं परोसा जाएगा। पहले हमारा फैसला था कि किसी मंदिर के 5 किलोमीटर दायरे तक गोमांस नहीं परोसा जाएगा। हिमंत विश्व शर्मा के इस फैसले के बाद सरकार में मंत्री पीजूष हजारिका ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट किया है। इसमें उन्होंने असम कांग्रेस को चैलेंज किया है। हजारिका ने कहा कि मैं असम कांग्रेस को चुनौती देता हूं कि वो गोमांस प्रतिबंध का स्वागत करे या फिर पाकिस्तान जाकर बस जाए। असम सरकार का ये फैसला उस वक्त आया है जब राज्य में गोमांस को लेकर सियासत तेज है। बीते दिनों भाजपा पर आरोप लगा था कि सामागुड़ी विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में भाजपा की ओर से गोमांस बांटा गया। ये सीट मुस्लिम बहुल है। उपचुनाव में इस सीट पर भाजपा ने जीत दर्ज की थी। इन सियासी आरोपों के बीच असम के मुख्यमंत्री ने कहा था, अगर प्रदेश कांग्रेस प्रमुख भूपेन बोरा पत्र लिखकर गोमांस पर प्रतिबंध लगाने का अनुरोध करें तो वो राज्य में गोमांस पर बैन लगा देंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस बताएगी क्या वो वोटर्स को गोमांस की पेशकश करके अबतक सामागुड़ी में चुनाव जीतती आई है। रकीबुल हुसैन को मैं बताना चाहता हूं कि गोमांस पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए। उन्होंने खुद कहा है कि ये गलत है। अब बस उन्हें ये बात केवल लिखित में देनी है। आपको बता दें कि असम से कांग्रेस के सांसद रकीबुल हुसैन ने भाजपा पर आरोप लगाया था कि पार्टी ने नगांव जिले के सामगुरी विधानसभा क्षेत्र में मुस्लिम वोटरों को रिझाने के लिए बीफ पार्टी का आयोजन किया था। इसी पर पलटवार करते हुए कुछ दिन पहले ही असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा था कि अगर असम कांग्रेस के अध्यक्ष उन्हें पत्र लिखकर बीफ बैन की मांग करें, तो वह इसे लागू करने के लिए तैयार हैं। भारत एक ऐसा देश है, जहां लगभग 80 फीसदी आबादी हिंदू है। हिंदू गाय को पूजते हैं। यही वजह है कि देश में गोमांस पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाने की मांग लंबे वक्त से हो रही है। कुछ राज्यों में ऐसी व्यवस्था है भी। लेकिन अभी भी कई राज्य ऐसे हैं, जहां गोमांस बेचने की छूट कानून में मिली हुई है। इन राज्यों में केरल, पश्चिम बंगाल, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड, त्रिपुरा, सिक्किम और लक्षद्वीप (केंद्रशासित प्रदेश) शामिल हैं। असम भी इन्हीं राज्यों में से एक था, लेकिन अब हिमंत सरकार के फैसले के बाद वह गोमांस पर प्रतिबंध वाले राज्यों की सूची में शामिल हो गया है। जिन राज्यों में गोमांस पर पूरी तरह से बैन है, इसमें जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, दिल्ली और चंडीगढ़ (केंद्रशासित प्रदेश) शामिल हैं। गोहत्या पर भारत में कोई केंद्रीय कानून नहीं है। अलग-अलग राज्य अपने अनुसार नियमों को तय करते हैं। जैसे हरियाणा में गो हत्या कानून के उल्लंघन पर एक लाख रुपए का जुर्माना और 10 साल की जेल की सजा का प्रावधान है। छत्तीसगढ़ एकलौता ऐसा राज्य है, जहां गो वंश के साथ-साथ भैंस के मांस पर भी बैन लगा है। बिहार, झारखंड, ओडिशा, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, गोवा और केंद्र शासित प्रदेशों- दमन व दीव, दादर और -शेष पृष्ठ दो पर

हिमंत कैबिनेट का बड़ा फैसला

मणिपुर हिंसा मामले पर रिपोर्ट सौंपने के लिए केंद्र ने बढ़ाई तारीख

इंफाल। केंद्र ने जांच आयोग को मणिपुर हिंसा मामले की जांच पर अपनी रिपोर्ट सौंपने के लिए 20 मई, 2025 तक का विस्तार दिया है। पिछले डेढ़ साल से जारी इस हिंसा में अभी तक 258 लोगों की मौत हो चुकी है। जांच आयोग की अध्यक्षता गुवाहटी हाई कोर्ट के पूर्व मुख्य न्यायाधीश अजय लांबा कर रहे हैं। इस आयोग का गठन चार जून 2023 में किया गया था। इस तीन सदस्यी पैनल में सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी हिमांशु शेखर दास और सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी आलोक प्रभाकर भी शामिल हैं। चार जून 2023 को जारी अधिसूचना के अनुसार, -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर एचसी ने लापता पर्यवेक्षक की जांच के लिए कमेटी गठित की

इंफाल (हि.स.)। मणिपुर उच्च न्यायालय ने सैन्य शिविर से लापता पर्यवेक्षक का पता लगाने के लिए चार सदस्यीय उच्च स्तरीय समिति गठित की है। न्यायालय ने इस मामले की जांच का आदेश दिया है। मणिपुर उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश डी. कृष्णकुमार तथा न्यायमूर्ति गोलमेई गैफुलसिलु काबुई की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने समिति को गहन जांच करने तथा 11 दिसंबर को रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। जांच दल में कांगपोकपी जिला प्रशासन, स्थानीय पुलिस तथा सैन्य नेतृत्व के प्रमुख अधिकारी शामिल होंगे। जिला मजिस्ट्रेट -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

भविष्य के अन्धकार में छिपे कार्य के लिए श्रेष्ठ मंत्रणा दीपक के समान प्रकाश देने वाली है।
- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

परिवार की देखभाल करना भी जीवन का हिस्सा : गौरव

नई दिल्ली। दिग्गज आईटी कंपनी इंफोसिस के सह-संस्थापक नारायण मूर्ति के बीते दिनों जीवन संतुलन को लेकर दिए गए बयान के बाद फिर से इसे लेकर बहस शुरू हो गई है। अब कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने नारायणमूर्ति के बयान की आलोचना की है। गौरव गोगोई ने कहा कि लगातार काम करते रहना -शेष पृष्ठ दो पर

प्रियंका ने गृह मंत्री से वायनाड के लिए मांगी मदद

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस महासचिव एवं वायनाड से सांसद प्रियंका गांधी और केरल के सांसदों ने बुधवार को गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर उन्हें क्षेत्र में हुए भूस्खलन के बाद की स्थिति से अवगत कराया। इन सांसदों ने क्षेत्र के लोगों के लिए केंद्र सरकार से सहयोग की अपील की। संसद परिसर में पत्रकारों से बातचीत में प्रियंका ने कहा कि हमने गृह मंत्री से मिल कर उन्हें -शेष पृष्ठ दो पर

देवेंद्र फडणवीस ने राज्यपाल से किया सरकार बनाने का दावा, शपथ ग्रहण आज

मुंबई (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक दल के नेता देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार को राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से मिलकर महाराष्ट्र में नई सरकार बनाने का दावा किया है। इसके बाद राज्यपाल ने गुरुवार को शाम साढ़े पांच बजे नई सरकार की शपथ विधि को मंजूरी दे दी। इस मौके पर शिवसेना शिंदे समूह के अध्यक्ष एकनाथ शिंदे, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी अजीत पवार समूह के अध्यक्ष अजीत पवार, केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण, गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी, भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े, पूर्व केंद्रीय मंत्री प्रफुल्ल पटेल उपस्थित थे। भारतीय जनता पार्टी के नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक बुधवार को विधानभवन में आयोजित की गई थी। इस बैठक में देवेंद्र फडणवीस को भाजपा -शेष पृष्ठ दो पर

सीएम ने 2025 निवेशक शिखर सम्मेलन और सांस्कृतिक प्रदर्शन की तैयारियां तेज की

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने फरवरी 2025 में होने वाले असम निवेशक और बुनियादी ढांचा शिखर सम्मेलन और मेगा झुमुर प्रदर्शन की सफलता सुनिश्चित करने के लिए प्रयास तेज कर दिए हैं। शर्मा ने प्रमुख केंद्रीय मंत्रियों के साथ रणनीतिक चर्चा की, जिसमें बुनियादी ढांचे, वाणिज्य और क्षेत्रीय विकास पर ध्यान केंद्रित किया गया और राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं, विशेष रूप से महत्वाकांक्षी गुवाहाटी रिंग रोड की प्रगति पर चर्चा की गई। शर्मा ने मंत्रालय के सहयोग पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि परियोजनाएं समय सीमा को पूरा करने के लिए कुशलतापूर्वक आगे बढ़ रही हैं। शर्मा ने पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया से भी मुलाकात की और उनकी चर्चा राज्य की चल रही विकास परियोजनाओं और आगामी अष्टलक्ष्मी महोत्सव पर केंद्रित रही, जो पूर्वोत्तर की विविधता का जश्न मनाने वाली एक सांस्कृतिक पहल है। सिंधिया को फरवरी में होने वाले शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए औपचारिक रूप से आमंत्रित किया गया था। उन्होंने वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से भी मुलाकात की और निवेशकों को आकर्षित करने के लिए शिखर सम्मेलन की क्षमता पर जोर दिया तथा हितधारकों को जोड़ने में अपने मंत्रालय की सहायता मांगी। शर्मा ने बैठक को उत्पादक बताया, जिसमें -शेष पृष्ठ दो पर

संभल जाते राहुल को गाजीपुर में रोका, वापस लौटे दिल्ली

नई दिल्ली (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के हिंसा प्रभावित संभल जाते समय बुधवार को गाजीपुर बॉर्डर पर रोके जाने के बाद राहुल गांधी दिल्ली लौट आए। उनके साथ सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा और कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल भी था। राहुल गांधी ने कहा कि वे पुलिस के साथ अकेले संभल जाने को तैयार हैं, लेकिन उन्हें इसकी अनुमति नहीं दी जा रही है, जो असंवैधानिक है। लोकसभा में विपक्ष के नेता के तौर पर यह उनका संवैधानिक अधिकार है। इसकी अनुमति मिलनी चाहिए थी। हालांकि राहुल गांधी को रोकने के क्रम में पुलिस ने जो बंदोबस्त किए थे, उसके कारण सड़क पर वाहनों का काफी लम्बा जाम लग गया और लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। जिला प्रशासन और पुलिस ने प्रतिनिधिमंडल को संभल जाने से रोकने के लिए पहले ही सीमा पर नाकाबंदी कर दी थी, क्योंकि वहां पर -शेष पृष्ठ दो पर

भाजपा-आरएसएस संविधान की धज्जियां उड़ाने में लगे हैं : खड़गे

नई दिल्ली। लोकसभा के नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी आज उत्तर प्रदेश के संभल का दौरा करने वाले थे, लेकिन उन्हें दिल्ली-गाजीपुर बॉर्डर पर ही रोक लिया गया। राहुल गांधी को हिंसाग्रस्त क्षेत्र जाने से रोकने पर कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर संविधान की धज्जियां उड़ाने का आरोप लगाया। दिल्ली-गाजीपुर बॉर्डर पर रोके जाने के बाद राहुल गांधी वापस दिल्ली लौट आए। खड़गे ने सोशल मीडिया पर कहा कि दो समुदायों के -शेष पृष्ठ दो पर

सुरक्षा और राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर सदन में अनुकरणीय आचरण प्रदर्शित करें : सभापति

नई दिल्ली (हि.स.)। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने बुधवार को सदस्यों से आग्रह किया कि सुरक्षा और राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर सदन में अनुकरणीय आचरण प्रदर्शित करें। सभापति का बयान विपक्षी सदस्यों के विदेश मंत्री के वक्तव्य के बाद प्रश्न पूछे जाने की मांग ठुकराए जाने पर किए गए बहिर्गमन के बाद आया। सभापति ने कहा कि वे बार-बार सदस्यों से कहते आये हैं कि पूरा देश हमें देख रहा है। हर बार अशोभनीय आचरण पर वे सदस्यों से इस बात का आग्रह करते हैं। उनका मकसद केवल सदस्यों की गरिमा को बहाल रखना है। वे चाहते हैं कि सदस्य नियमों पर विश्वास रखते हुए सदन की कार्यवाही में योगदान दें। राज्यसभा में आज विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने चीन और भारत के संबंधों पर एक वक्तव्य दिया। कल उन्होंने यही वक्तव्य लोकसभा में दिया -शेष पृष्ठ दो पर

जेल तोड़कर भागने वालों को नहीं ढूंढ पा रही बांग्लादेश पुलिस

ढाका। बांग्लादेश में इस साल जुलाई-अगस्त में छात्र विद्रोह के दौरान जेल से भागने की घटनाओं के बाद से कम से कम 700 कैदी फरार हैं। भागने वालों में इस्लामी आतंकवादी और मौत की सजा पाए कैदी भी शामिल हैं। इस बात की जानकारी अधिकारियों ने दी है। जेल महानिरीक्षक ब्रिगेडियर जनरल सैयद मोहम्मद मोताहिर हुसैन ने कहा कि देश भर में करीब 2,200 कैदियों ने अलग-अलग जेलों को तोड़ा है, उनमें से 700 अभी भी खुले आम घूम रहे हैं। बाकी अपनी सजा काटने के लिए जेलों में लौट आए हैं या उन्हें कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने फिर से गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने कहा कि 700 से -शेष पृष्ठ दो पर

बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार

मप्र के कई शहरों में प्रदर्शन, भोपाल इंदौर व उज्जैन में बंद रहे बाजार

भोपाल (हि.स.)। बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हो रही घटनाओं के विरोध राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और उसके अनुषांगिक संगठनों ने राज्य के विभिन्न शहरों में बुधवार को आक्रोश रैली निकाली। कई स्थानों पर जबरदस्त प्रदर्शन कर हिन्दूवादी संगठनों ने बांग्लादेश के खिलाफ नारेबाजी की। इंदौर, भोपाल, उज्जैन समेत प्रदेश के सभी जिलों में व्यापारियों ने अपनी दुकानें बंद रखकर अपना विरोध दर्ज कराया। राजधानी भोपाल में बुधवार को सकल हिंदू समाज के आह्वान पर बांग्लादेश में हिंदुओं के साथ हो रही घटनाओं के विरोध में प्रदर्शन हुआ। भारत माता चौराहा पर दोपहर दो बजे तक बड़ी संख्या में लोग एकत्रित हो गए। इसके बाद दो किमी लंबी रैली में एक लाख से अधिक लोग नारेबाजी करते हुए रोशनपुरा चौराहे पहुंचे। यहां कमिश्नर संजीव सिंह और जिपं सीईओ ऋतुराज सिंह ने ज्ञापन लिया। -शेष पृष्ठ दो पर

ब्रिटेन ने बांग्लादेश के लिए जारी की ट्रैवल एडवाइजरी

संभावित आतंकवादी हमलों की दी चेतावनी

नई दिल्ली। ब्रिटेन सरकार ने बांग्लादेश के लिए अपने ट्रैवल एडवाइजरी को अपडेट किया है, जिसमें चेतावनी दी गई है कि वहां आतंकवादी हमला होने की संभावना है। विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय (एफसीडीओ) ने मंगलवार शाम को बांग्लादेश के लिए अपने सुरक्षा संबंधी सलाह की फिर से समीक्षा की है। इस अपडेट में केवल आवश्यक यात्रा के खिलाफ बांग्लादेश यात्रा के लिए अपनी सामान्य सलाह को मजबूत किया गया है। एफसीडीओ की अपडेट ट्रैवल एडवाइजरी में कहा गया है कि, आतंकवादी बांग्लादेश में हमले करने की कोशिश कर सकते हैं। एफसीडीओ के परामर्श में आगे कहा -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

ब्रिटेन की संसद में गूंजा बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा का मुद्दा

सांसदों ने उठाए कड़े सवाल

लंदन। बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हो रही हिंसा अब वैश्विक चिंता का विषय बन चुकी है। इस मुद्दे ने ब्रिटेन की संसद तक दस्तक दे दी है, जहां सांसदों ने बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रहे अत्याचारों पर सरकार से जवाब मांगा। ब्रिटिश संसद में भारतवंशी सांसद प्रीति पटेल ने इस मामले को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा कि बांग्लादेश में हिंसा के भयानक दृश्य बेहद चिंताजनक हैं। मेरी संवेदनाएं प्रभावित परिवारों के साथ हैं। मैंने संसद में सरकार से पूछा है कि वह इस मुद्दे पर बांग्लादेश सरकार से क्या कदम उठाने को कह रही है। अल्पसंख्यकों की सुरक्षा और धर्म आधारित हिंसा रोकने के लिए सख्त कार्रवाई अत्यंत आवश्यक है। सांसद बैरी गेरिंडर ने भी संसद में हिंदुओं के खिलाफ हो रही हिंसा का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर 2000 से अधिक हमले हो चुके हैं। हिंदू मंदिरों को तोड़ा जा रहा है। बांग्लादेश अब *इस्लामिक स्टेट* बनने की राह पर है। मैं ब्रिटेन के विदेश मंत्री से अपील करता हूं कि वे बांग्लादेश सरकार से इस गंभीर स्थिति पर तुरंत बातचीत करें। ब्रिटेन की विदेश मामलों की अंडर-सेक्रेटरी कैथरीन वेस्ट संसद में बताया कि हमें बांग्लादेश की अंतरिम सरकार से यह आश्वासन मिला है कि अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाएगी। ब्रिटेन धार्मिक स्वतंत्रता और अभिव्यक्ति की आजादी का समर्थन करता है। खासतौर पर हिंदू समुदाय के लिए हमने समर्थन देने का भरोसा दिलाया है। बता दें कि बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा तेजी से बढ़ रही है। मंदिर और मूर्तियों को निशाना बनाया जा रहा है। हिंदू संत चिन्मय दास को जेल में डाल दिया गया है, और उनकी सुनवाई 2 जनवरी तक टाल दी गई है। कई हिंदुओं की हत्या और संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने की घटनाएं सामने आई हैं।

सिलचर शहर के में लगी आग

कछार (हिंस)। सिलचर शहर में लगी आग में दो व्यवसायिक प्रतिष्ठानें और एक राजनीतिक पार्टी का कार्यालय जलकर राख हो गया। कई दमकल गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। अस्पताल रोड पर लगी आग नंदिनी एंटरप्राइज से लगी। कारोबारी कर्मचारियों को कुछ समझ में आने से पहले ही आग पूरी दुकान में फैल गई। देखते ही देखते आग पास की एक फार्मेसी तक फैल गई। कई जगहों से पहुंची दमकल गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। करीब 1000 वर्ग फीट के क्षेत्र में लगी इस आग से इलाके में हड़कंप मच गया।

शातिर ड्रग्स तस्कर गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की टीम ने पलटन बाजार थाना क्षेत्र के उलुबारी से एक शातिर ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया है। उसके पास से एक साबुनदानी जिसमें 16.11 ग्राम हेरोइन (साबुनदानी के बिना), एक मोबाइल फोन, एक ऑटो रिक्शा (एएस-01एससी-0215) बरामद किया गया है। पुलिस मुख्यालय की ओर से दी गई सूचना के अनुसार तस्कर एवं बरामद मादक पदार्थ को पलटन थाना पुलिस को आगे की कार्रवाई के लिए सौंप गया है।

सुखबीर बादल पर हमले की चौतरफा निंदा, घिरी सरकार

चंडीगढ़ (हिंस)। दरबार साहिब के बाहर अकाली दल के पूर्व प्रधान सुखबीर बादल पर फायरिंग की घटना के बाद प्रदेश सरकार कानून व्यवस्था के मुद्दे पर घिर गई है। घटना की चौतरफा निंदा की जा रही है। पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने कहा कि यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण व निंदनीय घटना है। सरकारी तंत्र फेल हुआ है। पुलिस के पास पुख्ता सूचना होने के बावजूद यह घटना हो गई। पंजाब के पूर्व डिप्टी सीएम एवं सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा ने इस घटना को सीबीआई जांच की मांग करते हुए कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री को इस पर जवाब देना होगा। पंजाब में कानून-व्यवस्था की इससे बुरी दशा नहीं हो सकती। विपक्ष के बयानों के बीच अमृतसर के पुलिस आयुक्त गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने घटनास्थल का दौरा करने के बाद दावा किया कि सुखबीर सिंह बादल के लिए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी थी जिसमें एआईजी स्तर के एक अधिकारी, 2 एसपी, 2 डीएसपी और पौने 200 के करीब पुलिस बल तैनात हैं। पुलिस कर्मी अलर्ट थे उसी वजह से वारदात असफल हुई। इसमें नारायण सिंह चौड़ा (हमलावर) जिसका पुराना आपराधिक रिकॉर्ड है उसे गिरफ्तार किया गया। आरोपित कल भी यहां माथा टेकने के लिए आया था। मामला दर्ज कर हर एंगल से जांच की जा रही है। पूछताछ के बाद काफी बातें स्पष्ट होंगी।

No.UDB/Tender/01/2022-23/ *Date 03/12/2024*

SHORT NOTICE INVITING TENDER

Sealed tender affixing a non- refundable Court fee stamp of Rs. 8.25 (Rupees eight & twenty five paisa) only with a validity period of 180 Days which will subsequence to be converted and drawn up in the printed of F- 2 form are invited form the registered contractors of Class –II and Class –I (A, B & C) category of Assam PWD (Road & Building) and BTC according to their eligibility for submitting tenders for the works under SOPD & various schemes under BTR for the year 2023-24 during 2024-25 & other financial years as stated below. The tenders will be received by the undersigned up to 12.00 Noon on 30/12/2024 and will be opened on the same date & place at 2.00 P.M.

Sl. No.	Name of work	Tender Amount (In Lakhs)	Cost of Tender Paper	Time of Completion of Work
1	Const. of community toilet at Christianpara Bishnu Mandir under 15 ASFC	10,47,960.00	Rs. 500.00	3 (three) months from the issue of Formal Work Order
2	Const. of community toilet at Hatkata Bathou Mandir under 15 ASFC	10,47,960.00	Rs. 500.00	3 (three) months from the issue of Formal Work Order
3	Const. of community toilet at Thekarabari Naamghar under 15 ASFC	10,47,960.00	Rs. 500.00	3 (three) months from the issue of Formal Work Order
4	Const. of community toilet at Member Basti Bathou Mandir under 15 ASFC	10,47,960.00	Rs. 500.00	3 (three) months from the issue of Formal Work Order
5	Imp. of St Teresa English School Playground under Udalguri District under SYW	6,00,000.00	Rs. 500.00	3 (three) months from the issue of Formal Work Order
6	Repairing of Harisinga Sports Association Office Harisinga under Udalguri Dist under SYW	8,00,000.00	Rs. 500.00	3 (three) months from the issue of Formal Work Order
7	Renovation of Phukhrifar Jarafagla Club Office under Udalguri Dist under SYW	7,00,000.00	Rs. 500.00	3 (three) months from the issue of Formal Work Order

Detailed N.I.T. may be seen in all working days during office hours in the office of the undersigned. Tender papers will be issued to the contractors or their authorized agents from 04/12/2024 to 30/12/2024 in the office of the undersigned on payment.

IPR(BTC)/C/2024-25/1003

Sd/- Block Development Officer,
Udalguri Dev. Block

पृष्ठ एक का शेष

असम में गोमांस ...

नागर हवेली, पुडुचेरी और अंडमान निकोबार में आंशिक रूप से प्रतिबंध लगाया गया है। वहीं ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के विधायक और पार्टी महासचिव डॉ हाफिज रफीकुल इस्लाम ने कहा कि कैबिनेट को यह तय नहीं करना चाहिए कि लोग क्या खाएंगे या क्या पहनेंगे? भाजपा गोवा में गोमांस पर प्रतिबंध नहीं लगा सकती, वे पूर्वोत्तर राज्यों में गोमांस पर प्रतिबंध नहीं लगा सकते, फिर असम में क्यों? हम इस निर्णय पर ज्यादा ध्यान नहीं देते। मालूम हो कि मौजूदा असम मवेशी संरक्षण अधिनियम 2021 के अनुसार, उन क्षेत्रों में गोमांस और गोमांस उत्पादों की बिक्री या खरीद पर प्रतिबंध लगा दिया गया था जो मुख्य रूप से हिंदू, जैन, सिख और अन्य गैर गोमांस खाने वाले समुदायों द्वारा बसाए गए हैं या किसी मंदिर या अन्य धार्मिक संस्थान के 5 किलोमीटर के दायरे में हैं।

मणिपुर हिंसा मामले ...

आयोग को अपनी रिपोर्ट जल्द से जल्द यानी की अपनी पहली बैठक की तारीख से छह महीने के भीतर केंद्र को सौंपनी थी। पिछले विस्तार में गृह मंत्रालय ने आयोग को 20 नवंबर तक का समय दिया था। गृह मंत्रालय की तरफ से जारी ताजा अधिसूचना के अनुसार, आयोग अपनी रिपोर्ट जल्द से जल्द 25 मई 2025 से पहले केंद्र को सौंप दें। पैनल यह भी पता लगाएगा कि क्या किसी जिम्मेदार व्यक्ति की ओर से कोई चूक या लापरवाही हुई है। इसके साथ ही हिंसा और दंगों को रोकने के लिए उठाए गए प्रशासनिक पर्याप्तता की भी जांच होगी। राज्य में मई 2023 में जातीय हिंसा शुरू होने के बाद से अब तक 200 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं और हजारों बेघर हो चुके हैं। हिंसा इंफाल घाटी में रहने वाले मेइती समुदाय और आसपास के पहाड़ी इलाकों में रहने वाले कुकी-जो समुदाय के बीच शुरू हुई थी। जिरिबाम जिला शुरू में इस संघर्ष से प्रभावित नहीं था। लेकिन जून 2024 में एक किसान का शव मिलने के बाद इस जिले में भी हिंसक झड़पें शुरू हुईं। मणिपुर राज्य महिला आयोग (एमएससीडब्ल्यू) ने जिरीबाम में उग्रवादियों द्वारा तीन महिलाओं और तीन बच्चों की हत्या की जांच के लिए तीन सदस्यीय फैक्ट फाइंडिंग टीम का गठन किया है। एक अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस टीम में एक अध्यक्ष दो सदस्य शामिल होंगे। टीम ने पुलिस कर्मियों, समाज कल्याण और चिकित्सा विभाग के अधिकारियों से मुलाकात की। प्रशासन मुद्दे पर भी बातचीत हुई। पैनल के सदस्यों ने पीड़ितों के परिजनों से भी मुलाकात की। बता दें कि पिछले महीने जिरीबाम जिले के एक राहत शिविर से तीन महिलाएं और तीन बच्चे लापता हो गए थे। बाद में उनका शव नदी से बरामद किया गया। इस घटना के बाद जिले में तनाव फैल गया।

मणिपुर एचसी ने ...

समिति का नेतृत्व करेंगे, जिसका कार्य यह निर्धारित करना होगा कि सिंह का अपहरण किया गया था या वह स्वेच्छा से इस उच्च सुरक्षा वाले क्षेत्र से चले गए थे। अदालत ने जांच में सहयोग करने के लिए प्रासंगिक सामग्री या रिकॉर्ड अउपलब्ध कराने तथा परिवार से सहयोग करने का अनुरोध किया है। उल्लेखनीय है कि मिलिट्री इंजीनियरिंग सर्विसेज में कार्यरत ठेकेदार के पर्यवेक्षक लैशराम कमलबाबू सिंह (56) 25 नवंबर को लीमाखोंग मिलिट्री स्टेशन से लापता हो गए थे। उनके छोटे भाई लैशराम ब्रजबंशी सिंह ने उनके लापता होने में संभावित उग्रवादी संलिप्तता का आरोप लगाते हुए एक रिट याचिका दायर की थी। ज्ञात हो कि दो हजार सुरक्षा बल लापता व्यक्ति की तलाशी के कार्य में तैनात किए गए हैं।

देवेंद्र फडणवीस ने ...

विधायक दल का नेता चुना गया। इसके बाद राकांपा एपी के अध्यक्ष अजीत पवार और देवेंद्र फडणवीस कार्यवाहक मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मिलने वर्षा शासकीय आवास पर गए। इन तीनों नेताओं के बीच भावी सरकार के गठन को लेकर चर्चा हुई। इसके बाद आज देवेंद्र फडणवीस, एकनाथ शिंदे और अजीत पवार के साथ राजभवन गए और राज्यपाल से मिलकर सरकार बनाने का दावा पेश किया। देवेंद्र फडणवीस ने बताया कि आज वे शिवसेना शिंदे समूह के अध्यक्ष एकनाथ शिंदे, राकांपा एपी के अध्यक्ष अजीत पवार के साथ राज्यपाल से मिले और उन्हें एनडीए के सहयोगी दलों की ओर सरकार बनाने का दावा पेश किया। राज्यपाल ने पत्र देखने के बाद हमें सरकार गठन की मंजूरी दी है। इसलिए गुरुवार शाम को हमारी सरकार का शपथ विधि होगी। हम तीनों साथ बैठकर मंत्रियों के नाम तय करने वाले हैं। देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि हमारी सरकार के समक्ष चुनौतियां बहुत हैं। हमने चुनाव प्रचार के दौरान जो वादे जनता से किए हैं, उन्हें पूरा करने का प्रयास किया जाएगा। राकांपा एपी के अध्यक्ष अजीत पवार ने कहा कि उन्होंने देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में सरकार बनाने का समर्थन दिया है, इसलिए काम-काज में कोई दिक्कत नहीं आएगी। शिवसेना शिंदे समूह के अध्यक्ष एकनाथ शिंदे ने कहा कि हमने देवेंद्र फडणवीस को सरकार बनाने का समर्थन दिया है। इससे पहले हम सभी साथ मिलकर जनता के हित में काम कर रहे थे। शिंदे ने कहा कि पद महत्वपूर्ण नहीं है, हमें जनता के विकास कार्यों को प्रमुखता देनी है।

सीएम ने 2025 निवेशक...

मजबूत निवेशक भागीदारी सुनिश्चित करने के बारे में आशावाद झलकता है। शर्मा ने भाजपा अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा के साथ बैठक की और स्वास्थ्य सेवा में असम की प्रगति, खासकर प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (पीएमजेएवाई) और आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की स्थापना पर प्रकाश डाला। नड्डा को शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया गया था, जिसमें आर्थिक विकास और कल्याण पर इसके फोकस को रेखांकित किया गया था। शर्मा ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को औपचारिक निमंत्रण दिया और क्षेत्र में संपर्क बढ़ाने के अवसरों पर चर्चा की। एडवांटेज असम इन्वेस्टर समिट, जिसे पहली बार 2018 में लॉन्च किया गया था, असम की आर्थिक क्षमता को प्रदर्शित करने और बुनियादी ढांचे, पर्यटन, कृषि और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में निवेश आकर्षित करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है। 2025 में होने वाले आगामी संस्करण का उद्देश्य इस विरासत को आगे बढ़ाना है, जिसमें राष्ट्रीय और वैश्विक बाजारों के साथ सतत विकास और एकीकरण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। शिखर सम्मेलन के पूरक के रूप में, मेगा झुमुर प्रदर्शन असम की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को उजागर करेगा। चाय बागान समुदायों द्वारा किया जाने वाला पारंपरिक नृत्य झुमुर राज्य के जीवंत लोकाचार और एकता को दर्शाता है। शर्मा की यह पहल असम के रणनीतिक प्रयासों से मेल खाती है, ताकि वह पूर्वोत्तर में एक प्रमुख आर्थिक केंद्र के रूप में अपनी स्थिति बना सके और अपनी सांस्कृतिक जड़ों का जश्न मना सके। केंद्रीय मंत्रियों को शामिल करके और प्रमुख हितधारकों को आमंत्रित करके, मुख्यमंत्री का लक्ष्य निवेश, विकास और सांस्कृतिक आदान-प्रदान के लिए एक मजबूत मंच सुनिश्चित करना है। उम्मीद है कि 2025 का शिखर सम्मेलन असम की विशिष्ट पहचान को संरक्षित करते हुए इसे निवेशकों के लिए एक आकर्षक गंतव्य में बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। नई दिल्ली की अपनी यात्रा के दौरान, शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई केंद्रीय मंत्रियों को औपचारिक निमंत्रण दिया तथा निवेश को बढ़ावा देने और असम की सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करने में शिखर सम्मेलन के महत्व पर प्रकाश डाला।

संभल जाते राहुल...

बाहरी लोगों के जाने पर रोक लागू है। जिले में निषेधाज्ञा भी लागू है, जहां पिछले सप्ताह समाजवादी पार्टी (सपा) के कई सांसदों को जिले में प्रवेश करने से रोक दिया गया था। भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 163 के तहत प्रतिबंध अब संभल में 31 दिसंबर तक बढ़ा दिए गए हैं। इस मौके पर राहुल के साथ मौजूद वायनाड से कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि राहुल संवैधानिक पद पर हैं और उन्हें संवैधानिक अधिकार है। उन्हें पीड़ित परिवारों से मिलने की अनुमति दी जानी चाहिए। राहुल गांधी के साथ कांग्रेस प्रतिनिधिमडंल को रोके जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल ने कहा कि नेता विपक्ष राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के नेतृत्व में संभल जा रहे हमारे प्रतिनिधिमंडल को गाजियाबाद में उप्र सीमा पर रोक दिया गया। उप्र सरकार द्वारा लोकसभा के नेता विपक्ष को हिंसा में जान गंवाने वालों के परिवारों से मिलने से रोकने के पीछे क्या कारण है? ऐसे व्यक्ति के साथ खड़ा होना बुनियादी मानवता है, जिसने इतना दुख और नुकसान झेला हो। दरअसल, राहुल के काफिले को रोकने के लिए गाजीपुर बॉर्डर पर भारी बैरिकेडिंग की गई थी। रास्ते को डायवर्ट किया गया था, जिससे रोज ऑफिस आने जाने वालों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। दोपहर तक गाजीपुर बॉर्डर पर भारी जाम लगा हुआ था।

भाजपा-आरएसएस संविधान...

बीच मफरत पैदा करना ही भाजपा और आरएसएस की विचारधारा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि भाजपा और आरएसएस अपने विभाजनकारी एजेंडे से संविधान की धज्जियां उड़ाने में लगे हुए हैं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को संभल में पीड़ितों से मिलने से रोकना इस बात का सबूत है। दो समुदायों के बीच नफरत पैदा करना ही भाजपा और आरएसएस की विचारधारा है। वे हर जगह नफरत के बाजार की शाखाएं खोलने पर तुले हुए हैं। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस सद्भाव, शांति, भाईचारा और प्रेम फैलाने के लिए अपनी दुकान खोलती रहेगी और समाज को एकजुट रखने में मदद करेगी। कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष ने आश्वासन देते हुए कहा कि हम झुकेंगे नहीं, हम पीछे हटेंगे नहीं। बता दें कि 19 नवंबर को अदालत के एक आदेश पर एक मुगलकालीन मस्जिद का सर्वेक्षण किया गया। दरअसल, ऐसा दावा किया गया था कि जिस स्थान पर मस्जिद है, वहां पहले एक हरिहर मंदिर था। मस्जिद के सर्वेक्षण के कारण क्षेत्र में तनाव उत्पन्न हो गया। 24 नवंबर को दूसरे सर्वेक्षण के दौरान क्षेत्र में हिंसा फैला गई। जामा मस्जिद के पास प्रदर्शनकारी इकट्ठा हुए। सुरक्षा कर्मियों की उनकी झड़प हुई, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई। इस हिंसा में कई लोग घायल भी हुए।

सुरक्षा और राष्ट्रीय ...

था। वक्तव्य के बाद विपक्ष की ओर से प्रश्न पूछे जाने की मांग की गई, जिसे सभापति जगदीप धनखड़ ने ठुकरा दिया। सभापति ने कहा कि सदन की नियमावली के अनुसार किसी विषय पर किसी मंत्री के सदन में दिए गए बयान पर प्रश्नोत्तर नहीं होता। इसके बावजूद भी विपक्षी दल के नेता अपनी मांग पर रेडी रहे और बाद में सदन से बाहर गमन किया। दूसरी ओर आज लोकसभा में भी अध्यक्ष ओम बिरला ने सदस्यों को विधेयक पर चर्चा के दौरान मर्यादित चर्चा करने का आग्रह किया। अध्यक्ष ने कहा कि विधेयक पर चर्चा के दौरान उससे जुड़े मुद्दों पर ही बोलने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने सदस्यों से विधेयक को पढ़ने उसपर होने वाली ब्रीफिंग को सुनने और फिर संसद में उसके आप-पास बातीच रखें। संसद की गरिमा बनाए रखें। वरिष्ठ सांसद भी आरोप-प्रत्यारोप में लग जाते हैं तो नए लोग क्या सीखेंगे।

जेल तोड़कर भागने ...

अधिक (जेल तोड़ने वालों) में से 70 चरमपंथी और मौत की सजा पाए अपराधी हैं। बता दें कि जुलाई के मध्य में शुरू हुए विवादास्पद नौकरी कोटा सिस्टम को लेकर शेख हसीना की अवामी लीग के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ व्यापक छात्र विरोध प्रदर्शन के परिणाम में पांच बार प्रधानमंत्री बनी शेख हसीना को सत्ता से हटना पड़ा। विगत 05 अगस्त से पहले और उसके बाद बांग्लादेश में अराजकता के माहौल के कारण जेल से भागने की कई घटनाएं हुईं, जिस दिन वह भारत भाग गई थीं। जेल प्रमुख ने कहा कि 11 शीर्ष सूचीबद्ध अपराधियों, गैंगस्टरों और चरमपंथी समूह के नेताओं सहित 174 ज्ञात लोगों ने 5 अगस्त के बाद अदालतों से जमानत हासिल की, हालांकि पुलिस ने कहा कि वे उनके ट्रैक और गतिविधियों पर नजर रख रहे थे। बताया जा रहा है कि बांग्लादेश में फैली हिंसा के दौरान जेल पर हमला करने की कई घटना सामने आईं। इस दौरान दौरान केंद्रीय नरसिंगडी जिले में 19 जुलाई को बाहरी लोगों ने जेल पर हमला किया। जेल प्रहरियों के हथियार लूट लिए और जेल के कुछ हिस्सों में आग लगा दी और रिकॉर्ड और दस्तावेज भी जला दिए। हालांकि, अधिकारियों ने बाद में कहा कि अगस्त में कुल 826 कैदी नरसिंगडी जेल से भाग गए। एक अन्य घटना की जानकारी देते हुए अधिकारियों ने बताया कि दक्षिण-पश्चिमी सतखीरा जेल पर बदमाशों द्वारा बाहर से हमला किए जाने के बाद 596 कैदी भाग गए, लेकिन उनमें से 200 से अधिक स्वेच्छा से घंटों बाद वापस आ गए। ये कैदी कड़ी सजा का सामना करने के बजाय अपनी बाकी सजा काटना पसंद किया।

मप्र के कई शहरों ...

प्रदर्शन को व्यापारियों का भी समर्थन मिला। भोपाल के बाजार आधे दिन तक बंद रहें। कृषि उपज मंडी में व्यापारियों ने अनाज की खरीदी नहीं की। भोपाल का थोक दवा बाजार भी पूरी तरह से बंद है। भोपाल केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष जितेंद्र धाकड़ ने बताया कि थोक दवा दुकानें नहीं खुलीं, लेकिन मेडिकल स्टोर खुले रखे गए। भोपाल में टीला जमालपुरा में मार्केट बंद करने पहुंचे भाजपा कार्यकर्ताओं से कुछ लोगों की झड़प हो गई। दोनों पक्ष ने एक-दूसरे पर मारपीट के आरोप लगाए गए। प्रदर्शन में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा, सुप्रीम कोर्ट के वकील अश्विनी उपाध्याय, मंत्री विश्वास सारंग, कृष्णा गौर, विधायक रामेश्वर शर्मा, भगवानदास सबनानी, भाजपा जिलाध्यक्ष समित पचौरी, पूर्व विधायक ध्रुव नारायण सिंह, निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी और सुरेश पचौरी सहित बड़ी संख्या कार्यकर्ता, समर्थक व आमजन शामिल रहे। प्रदर्शन के दौरान सुप्रीम कोर्ट के वकील और भाजपा नेता अश्विनी उपाध्याय ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्रियों को देश छोड़कर नहीं भागना पड़ता, यहां की सेना विद्रोह नहीं करती क्योंकि हिंदू बहुसंख्यक है। यहां वसुधैव कुटुम्बकम चल रहा है। नफरत की आग को ठीक करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि मैंने सुप्रीम कोर्ट में पीआईएल दायर की है। उसमें कहा है कि आप हेट स्पीच को डिफाइन कीजिए। आप देश की सभी धार्मिक किताबों की समीक्षा कीजिए कि कोई किताब हेट स्पीच तो नहीं फैला रही है। इंदौर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की आक्रोश रैली में भारी जनसैलाब दिखा। सुबह करीब 10 बजे स्वयंसेवक, भाजपा कार्यकर्ता, व्यापारी संगठन और संघ के वैचारिक संगठनों से जुड़े लोग लाल बाग परिसर में एकत्र हुए और यहां से रैली कलेक्ट्रेट कार्यालय की ओर रवाना हुई। कलेक्ट्रेट पहुंची रैली के एक प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर आशीष सिंह को राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन सौंपा। संघ की ओर से रैली में ढाई लाख से ज्यादा लोगों के शामिल होने का दावा किया गया। शहर के सभी बाजारों में आधे दिन का बंद रखकर प्रदर्शन का समर्थन किया। रैली में बड़ी संख्या में साधु-संत भी शामिल हुए। उज्जैन शहर में भी बांग्लादेश के मुद्दे को लेकर जबरदस्त प्रदर्शन हुआ। महाकाल मंदिर के पुजारियों ने भगवान महाकाल को जल अर्पित कर बांग्लादेश की मोहम्मद युनुस सरकार को सद्बुद्धि देने की प्रार्थना की। दोपहर तीन बजे सर्व हिंदू समाज सामाजिक न्याय परिसर में जमा हुआ। यहां से रैली चामुंडा माता मंदिर चौराहा व फ्रीगंज होते हुए शहीद पार्क पहुंची। यहां सभा हुई, इसके बाद कलेक्टर नीरज सिंह को ज्ञापन दिया गया। प्रदर्शन करीब दो घंटे चला। प्रदर्शन के दौरान मलखंब के राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनू गहलोत ने कहा कि रैली के जरिए चेतावनी है कि बांग्लादेश सरकार अत्याचार खत्म करे। याद रहे कि भारत ने ही बांग्लादेश के निर्माण में भूमिका निभाई थी। अगर हमने पानी, रसद, एयरपोर्ट, बंदरगाह बंद कर दिए तो बांग्लादेश के लोग भूखे मरने की कगार पर आ जाएंगे। इससे पहले सुबह महाकाल मंदिर के पुजारियों ने रैली और प्रदर्शन का समर्थन करते हुए महाकाल मंदिर में बांग्लादेशी हिंदुओं की रक्षा के लिए पूजन किया। पुजारी आशीष शर्मा ने कहा कि भगवान से सभी हिंदुओं की रक्षा करने की प्रार्थना करते हैं। उज्जैन में रहने वाले बांग्लादेशियों की जांच होनी चाहिए। साथ ही उन्हें मिलने वाली सुविधाओं को भी बंद कर देना चाहिए। इधर, जबलपुर के मालवीय चौक पर धरना और प्रदर्शन हुआ। सनातन चेतना मंच के नेतृत्व में बड़ी संख्या में एकत्र हुए। प्रदर्शन कर रहे हिन्दूवादी संगठनों के कार्यकर्ताओं ने हिमालय चौक से करमचंद चौक, नया मोहल्ला होते हुए घंटाघर तक रैली निकाली। पूरे रैली मार्ग पर हरे रामा हरे कृष्णा की धुन बजती रही। पूर्व मंत्री और विधायक अजय विश्नोई, विधायक अशोक रोहाणी, विधायक अभिलाष पांडेय, महापौर जगत बहादुर सिंह अन्नू भी शामिल हुए। यहां साधु-संतों की मौजूदगी में एक प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर दीपक कुमार सक्सेना को राष्ट्रपति के नामएक ज्ञापन सौंपा। बांग्लादेश में हिंदूओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में बुधवार को धार में भी सर्व हिंदू समाज ने रैली निकालकर प्रदर्शन किया। दोपहर एक बजे उदय रंजन क्लब मैदान से विरोध प्रदर्शन की शुरुआत हुई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोग भगवा ध्वज और तिरंगा लेकर शामिल हुए। इसके बाद हिंदू समाज के लोग पैदल रैली के रूप में कलेक्ट्रेट पहुंचे और कलेक्टर प्रियंक मिश्रा को एक ज्ञापन भी सौंपा गया। सतना में बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में रामना टोला स्थित गुरुद्वारा नानक दरबार से रैली निकाली गई।

संभावित आतंकवादी हमलों ...

गया है कि, आतंकवादी हमले अंधाधुंध हो सकते हैं, जिनमें विदेशी नागरिकों के आने-जाने वाले स्थान भी शामिल हैं, जैसे भीड़-भाड़ वाले इलाके, धार्मिक इमारतें, राजनीतिक रैलियां। कुछ समूहों ने ऐसे लोगों को निशाना बनाया है, जिनके बारे में उनका मानना है कि उनके विचार और जीवनशैली इस्लाम के विपरीत हैं। इसमें आगे कहा गया है कि, अल्पसंख्यक धार्मिक समुदायों के खिलाफ और पुलिस और सुरक्षा बलों को निशाना बनाकर कभी-कभार हमले किए गए हैं। इनमें प्रमुख शहरों में इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) हमले शामिल हैं। बांग्लादेशी अधिकारी योजनाबद्ध हमलों को विफल करने के लिए काम करना जारी रखे हुए हैं। वहीं राजनीतिक स्थिति अनुभाग के तहत, सलाह यह है कि देश में *स्थिति अस्थिर* बनी हुई है। राजनीतिक रैलियां और प्रदर्शन होते रहते हैं। ये जल्दी ही हिंसक हो सकते हैं, जिससे कानून प्रवर्तन के साथ टकराव हो सकता है। प्रदर्शनों और हड़तालों के दौरान, देश भर के कस्बों और शहरों में आगजनी, हिंसा और तोड़फोड़ हो सकती है, जिसके परिणामस्वरूप मौतें हो सकती हैं। संपत्ति और सार्वजनिक परिवहन पर हमले संभव हैं। एफसीडीओ की सलाह सरकार की तरफ से लगाए गए नियम के बजाय यात्रा पर मार्गदर्शन है और अगर उस सलाह को अनदेखा किया जाता है, तो यात्रा बीमा अमान्य हो सकता है। यह अपडेट संसद के कई दलों के सदस्यों की तरफ से संसदीय हस्तक्षेपों की एक श्रृंखला के बाद आया है, जिसमें हाल ही में बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय पर हुए हमलों और धार्मिक नेताओं की गिरफ्तारी पर चिंता जताई गई है। सोमवार को हाउस ऑफ कॉमन्स में इंडो-पैसिफिक मंत्री कैथरीन वेस्ट ने कहा है कि, हम भारतीय सरकार के उस बयान से अवगत हैं जिसमें बांगलादेश में चिन्मय कृष्ण दास, एक प्रसिद्ध हिंदू नेता, को देशद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। ब्रिटेन के विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास कार्यालय डेस्क इन घटनाओं की निगरानी कर रहा है।

परिवार की देखभाल ...

अति-कार्य संस्कृति है। दरअसल कुछ दिनों पहले नारायण मूर्ति ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा था कि वे वर्क लाइफ बैलेंस (कार्य जीवन संतुलन) में विश्वास नहीं रखते। उन्होंने भारत में छह के बजाय पांच दिन काम करने के फैसले की भी आलोचना की। उन्होंने कहा था कि भारत के आर्थिक विकास के लिए भारतीयों को हफ्ते में 70 घंटे काम करना चाहिए। नारायण मूर्ति ने पिछले साल भी अपने एक बयान में हफ्ते में 70 घंटे काम करने की वकालत की थी, जिसके बाद कई लोगों ने उनके बयान की आलोचना की थी। वहीं कुछ लोगों ने नारायण मूर्ति के बयान का समर्थन भी किया था। कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई ने नारायण मूर्ति के बयान से असहमति जताई है। सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में गौरव गोगोई ने लिखा कि मैं वर्क लाइफ बैलेंस पर नारायण मूर्ति के विचार से असहमत हूं। अपने बच्चों की देखभाल करना, उनके लिए खाना बनाना, उन्हें पढ़ाना और अपने बुजुर्ग माता-पिता की सेवा करना ही तो जीवन है। गोगोई ने कहा कि सिर्फ व्यवसायिक कामकाज ही जीवन नहीं है बल्कि निजी और पारिवारिक जिम्मेदारियों का मिश्रण ही जीवन है। गोगोई ने कहा कि कर्मचारी गुलाम नहीं हैं। लंबे समय तक काम करने का मतलब बेहतर उत्पादकता नहीं है। कई देशों ने कामकाज के दिन पांच से घटाकर चार कर दिए हैं और वो भी अच्छा कर रहे हैं।

प्रियंका ने गृह...

वायना

मुख्यमंत्री हिमंत ने केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी अर्जुन राम मेघवाल और लोस अध्यक्ष से की मुलाकात

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी से मुलाकात की। मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने असम के हाइड्रोकार्बन उद्योग को मजबूत बनाने और उसका अधिकतम उपयोग करने के लिए केंद्रीय मंत्री से सहायता मांगी। साथ ही उन्होंने केंद्रीय मंत्री को अगले साल फरवरी में एडवांटेज असम समिट में भाग लेने का निमंत्रण भी दिया। विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्घेरिटा, राज्य और केंद्र सरकार के कई वरिष्ठ अधिकारी इस दौरान मौजूद थे। बाद में सोशल मीडिया एक्स पर मुख्यमंत्री ने लिखा कि केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी के साथ शानदार बैठक हुई। मैंने उन्हें एडवांटेज असम समिट 2025 में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया और असम के हाइड्रोकार्बन उद्योग की पूरी क्षमता को मजबूत बनाने और उसका उपयोग करने के लिए उनकी सहायता मांगी। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने संसद भवन में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से भी मुलाकात की। एक्स पर मुख्यमंत्री ने लिखा, *लोकसभा अध्यक्ष के रूप में ओम बिरला जी ने हमेशा संसदीय परंपराओं को बनाए रखने के लिए विशिष्ट नेतृत्व और प्रतिबद्धता का प्रदर्शन किया है। आज संसद भवन में उनसे मिलकर खुशी हुई।*

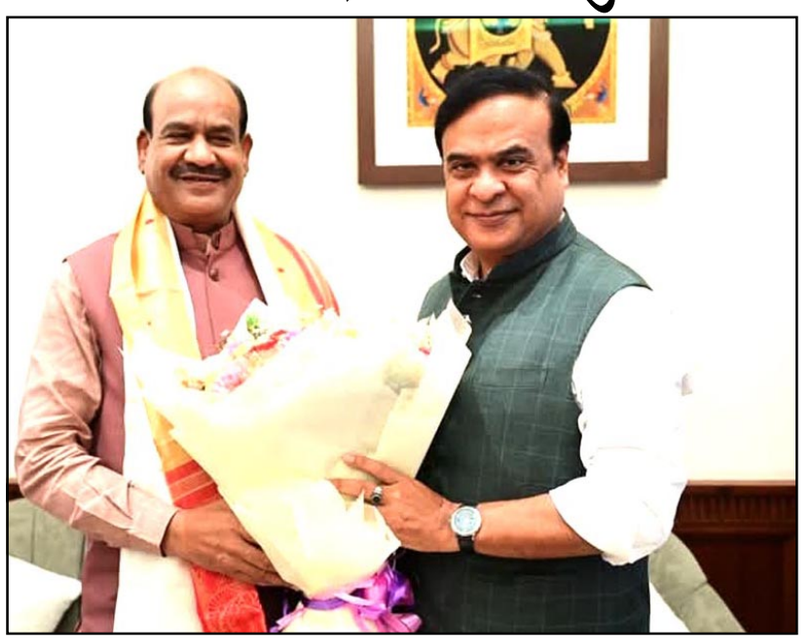

इससे पहले, मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने केंद्रीय कानून और न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल से उनके आधिकारिक आवास पर मुलाकात की। एक्स पर मुख्यमंत्री ने लिखा कि आज नई दिल्ली में अपने आवास पर केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल द्वारा दिए गए आतिथ्य के लिए आभारी हूं।

सिलापथार में हेरोइन के साथ तस्कर गिरफ्तार

धेमाजी (हिंस)। सिलापथार में हेरोइन के साथ एक तस्कर को पुलिस ने गिरफ्तार किया। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार धेमाजी पुलिस ने मादक पदार्थ विरोधी अभियान को जारी रखते हुए, सिलापाथर थाना क्षेत्र में बुधवार को छापा मारा और एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपी से 4.11 ग्राम संदिग्ध हेरोइन जब्त की। पुलिस ने गिरफ्तार तस्कर के विरुद्ध सिलापथार थाने में एक प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

सड़क दुर्घटना में एक की मौत

धेमाजी (हिंस)। धेमाजी जिले के गोगामुख इलाके में हुए एक सड़क हादसे में एक बाइक चालक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने बुधवार को बताया कि गोगामुख इलाके के गेरुकामुख इलाके में डंपर (एएस-07सी-7837) द्वारा ठोकर मार दिए जाने के कारण एक ही दिशा की ओर जा रहे बाइक (एएस-22ई-9764) चालक की मौके पर ही मौत हो गई। मृत बाइक चालक की पहचान विनन्द कूरि के रूप में की गई है। मृतक गोगामुख का रहने वाला बताया गया है।

राज्यपाल आचार्य का नगांव जिले का दौरा

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने आज अपने पहले नगांव जिले के दौरे के दौरान *गांव में राज्यपाल* पहल के तहत टोकोलाई बबेजिया गांव का दौरा किया और ग्रामीणों से बातचीत की तथा ग्रामीणों के लिए शुरू की गई विकास पहलों का जायजा लिया। ध्यान रहे कि *गांव में राज्यपाल* राज्यपाल द्वारा शुरू की गई एक पहल है, जिसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि वे गांवों में सरकारी योजनाओं के कारण आए वास्तविक बदलावों के साथ-साथ गांवों में रहने वाले लाभार्थियों को भी प्रत्यक्ष रूप से देख सकें। अपने दौरे के दौरान राज्यपाल ने ग्रामीणों से बात की तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन का जायजा लिया तथा यह भी जाना कि ये योजनाएं ग्रामीणों के जीवन पर किस तरह से प्रभाव डाल रही हैं। राज्यपाल ने ग्रामीणों से कहा कि सरकारी योजनाएं लोगों के लाभ के लिए बनाई गई हैं, इसलिए लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ उठाकर अपना जीवन बेहतर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने लाभार्थियों, खासकर गांवों में रहने वाले लोगों के जीवन को बेहतर बनाने में जन कल्याणकारी पहलों की सफलता पर भी ध्यान दिया। राज्यपाल ने जिले के अपने दौरे के तहत बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का भी दौरा किया और ग्रामीणों से बातचीत कर उनके जीवन पर बाढ़ के प्रभाव और जिला प्रशासन से उन्हें मिलने वाली सहायता के बारे में जानकारी ली। उन्होंने स्वास्थ्य सेवा और पेयजल जैसी आवश्यक सेवाओं की उपलब्धता पर भी ध्यान दिया। आचार्य ने बगलाजान गांव में अमृत सरोवर स्थलों में से एक का दौरा किया और कार्यक्रम के तहत किए गए कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से अमृत सरोवर के आसपास वृक्षारोपण अभियान चलाने

और स्थल की सुंदरता बढ़ाने को कहा। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना के एक लाभार्थी के घर का भी दौरा किया और सरकार द्वारा प्रदान की गई सुविधाओं का जायजा लिया। राज्यपाल ने बहकाबारी एचएस स्कूल का भी दौरा किया और छात्रों से बातचीत की। उन्होंने स्कूल में बुनियादी ढांचे, सुविधाओं, पेयजल और स्वच्छता सुविधाओं की उपलब्धता पर भी ध्यान दिया। इसके अलावा, उन्होंने कपिली नदी के किनारे तटबंध के निर्माण का निरीक्षण किया और अधिकारियों को काम में तेजी लाने के लिए कहा। बाद में राज्यपाल ने नगांव में जिला आयुक्त के सम्मेलन कक्ष में एक बैठक की। नगांव के जिला आयुक्त नरेन्द्र कुमार शाह ने राज्यपाल को आगामी मानसून के लिए प्रशासन द्वारा की गई तैयारियों के बारे में जानकारी दी। बैठक के दौरान राज्यपाल ने पिछले साल बाढ़ से हुए नुकसान और सरकार द्वारा किए गए जीर्णोद्धार कार्यों पर भी ध्यान दिया। बैठक में, राज्यपाल ने प्रशासन से निरंतर सतर्कता बनाए रखने के लिए कहा कि ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सरकारी कार्यों का फल प्रत्येक लाभार्थी तक पहुंचे और उन सभी के जीवन में ठोस बदलाव लाएं।

तीन हेरोइन तस्कर गिरफ्तार

लखीमपुर (हिंस)। लखीमपुर पुलिस ने हेरोइन के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार तस्करों के पास से 93.64 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। पुलिस ने बुधवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर उत्तर लखीमपुर थाना पुलिस ने एक अभियान चलाकर तीन तस्करों को गिरफ्तार किया। तस्करों के विरुद्ध लखीमपुर थाने में एक प्राथमिकी दर्ज कर कानूनी प्रक्रिया शुरू कर दी है। गिरफ्तार तस्करों की काफी दिनों से पुलिस तलाश कर रही थी।

जोरहाट के विद्युत भवन में लगी आग

जोरहाट (हिंस)। जोरहाट के विद्युत भवन में आग लग गई! चारों तरफ अफरा-तफरी मच गई। फायर ब्रिगेड की गाड़ियां सायरन बजाने लगीं। एसडीआरएफ, नजदीकी वायुसेना स्टेशनों और सेना की बचाव टीमें भी पहुंच गईं। बहुमंजिला इमारतों में फंसे लोगों को बचाने के लिए सेना द्वारा प्रशिक्षित कुत्तों को बुलाया गया। आग पर काबू पा लिया गया, लेकिन कई लोग घायल हो गए। एंबुलेंस और मेडिकल टीमें घटनास्थल पर पहुंच गईं। घायलों को तुरंत प्राथमिक उपचार दिया गया। यह वास्तव में कोई आग नहीं था। आपदा न्यूनीकरण विभागों को संगठित करने और व्यावहारिक प्रशिक्षण देने के लिए आज जोरहाट जिला प्रशासन द्वारा मॉक ड्रिल और प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। ये विभाग किसी भी आपदा से व्यवस्थित और कुशल तरीके से निपट सकते हैं।

असम की संस्कृति और परंपरा को संरक्षित करने के लिए *शतशोर* ने निकाली रंगारंग शोभायात्रा

गुवाहाटी। असम की संस्कृति और परंपरा को संरक्षित करने के उद्देश्य से सामाजिक और सांस्कृतिक विकास संगठन *शतशोर* के तत्वावधान में बुधवार को लताशिल खेल के मैदान से रंगारंग शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा का शुभारंभ प्रतिदिन टाइम के प्रधान संपादक नितुमोनी सैकिया और एनबी न्यूज के मालिक नृपेन दास ने किया। इस मौके पर शतशोर की अध्यक्ष प्रियनारी डॉ. मंदिरा बरुवा, सेवानिवृत्त वरिष्ठ महाप्रबंधक (ओआईएल) तथा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मेले के मुख्य सलाहकार मैनाक पात्रा, भारत सरकार के वन और जलवायु परिवर्तन के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. हेमेन हजारिका, सहायक प्रोफेसर देवजीत दास सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। दोनों ही अतिथियों ने अपने संबोधन में शतशोर के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि संस्था की अध्यक्ष डॉ. मंदिरा बरुवा प्राचीन आयुर्वेद को संरक्षित करने की दिशा में शानदार कार्य कर रही है। अतिथियों ने अपनी ओर से डॉ. मंदिरा बरुवा के नेतृत्व में आयोजित होने वाले चार

मणिराम दीवान ट्रेड सेंटर में *राष्ट्रीय आरोग्य मेला* आज से

दिवसीय राष्ट्रीय आरोग्य मेले के सफल आयोजन हेतु शुभकामनाएं प्रेषित की। इस रंगारंग शोभायात्रा में असम के सभी कोनों से लोक नृत्य और लोक संस्कृति को प्रदर्शित किया गया, जो लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र रहा। शोभायात्रा में नगाड़ा नाम, भोरताल विशेष रूप से बोड़ो संस्कृति, दीहा नाम, बिया नाम, तेजिमाला, भोगाली मेला के साथ-साथ ग्रामीणों द्वारा चावल के डंठल ले जाना, जनाई की बुनाई, ग्रामीण समाज के जीवन की जड़ी-बूटियों के साथ सुंदर झांकियां लोगों के बीच आकर्षण का केंद्र रही। शतशोर की अध्यक्ष प्रियनारी डॉ. मंदिरा बरुवा ने कहा कि राष्ट्रीय आरोग्य मेला 5 से 8 दिसंबर 2024 तक गुवाहाटी के बेतकुची स्थित मणीराम दीवान ट्रेड सेंटर में आयोजित किया जाएगा। राष्ट्रीय आरोग्य मेला का उद्घाटन राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य और माननीय केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री और आयुष मंत्रालय के केंद्रीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) प्रतापराव गणपतराव जाधव द्वारा 5 दिसंबर को अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में किया जाएगा। समापन समारोह में केंद्रीय बंदरगाह, जहाजरानी और जल परिवहन मंत्री सर्बानंद सोनोवाल 8 दिसंबर 2024 को मनीराम दीवान व्यापार केंद्र में भाग लेंगे। चार दिवसीय राष्ट्रीय आरोग्य मेले को सफल बनाने में शतशोर की सभी सदस्याएं जुटी हुई हैं।

भारी मात्रा में अरुणाचली शराब जब्त

शोणितपुर (हिंस)। शोणितपुर जिले के रंगापारा इलाके से आबकारी विभाग की टीम ने भारी मात्रा में अरुणाचली शराब जब्त किया है। आबकारी विभाग ने बुधवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर रंगापारा के उरहीलगा गांव में चलाये गए एक अभियान के दौरान भारी मात्रा में अरुणाचल प्रदेश में निर्मित शराब जब्त किया गया है। जब्त की गई शराब की कीमत लगभग 82 हजार रुपए आंकी गई है। यह अभियान रंगापाड़ा आबकारी विभाग के परिदर्शक माधुर्ज तालुकदार और उप परिदर्शन जयंत चौधरी के नेतृत्व में चलाया गया था। हालांकि, इस मामले में किसी की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। आबकारी विभाग जब्त किए गए शराब को रंगापाड़ा आबकारी कार्यालय ले गई। आबकारी विभाग इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर अवैध कारोबार में शामिल आरोपी की तलाश कर रही है।

स्वास्थ्य सेवा उत्सव 3.0 का दूसरा दिन सफलतापूर्वक संपन्न

विकसित भारत समाचार

चिरांग। आज स्वास्थ्य सेवा उत्सव (एसएसयू) 3.0 का दूसरा दिन था, जो राज्य भर में सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थानों में सेवा वितरण की गुणवत्ता का आकलन करने के लिए एक व्यापक पहल है। चल रहे कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, आज 34 नियोजित स्वास्थ्य संस्थानों में से 12 का मूल्यांकन किया गया। मूल्यांकन प्रक्रिया बाहरी मूल्यांकनकर्ताओं और विभिन्न क्षेत्रों के मूल्यांकनकर्ताओं को शामिल करते हुए एक सावधानीपूर्वक टीम-आधारित दृष्टिकोण के माध्यम से की जा रही है। 12 मूल्यांकन टीमों में से प्रत्येक में एक बाहरी मूल्यांकनकर्ता, एक सरकारी अधिकारी और दो बाहरी मूल्यांकनकर्ता होते हैं- एक सरकारी अधिकारी और दूसरा चिकित्सा क्षेत्र से, जैसे संकाय सदस्य। इन मूल्यांकनों का लक्ष्य भारतीय सार्वजनिक स्वास्थ्य मानकों के अनुरूप जिला और उप-विभाग स्तर पर सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थानों द्वारा प्रदान की जाने वाली स्वास्थ्य सेवाओं की प्रभावशीलता और गुणवत्ता का आकलन करना है। यह अभिनव पहल राज्य की सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं का अपनी तरह का अनूठा मूल्यांकन है और यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है कि स्वास्थ्य सेवाएँ देखभाल के आवश्यक मानकों को पूरा करती हैं, जिसका उद्देश्य अंततः नागरिकों के लिए स्वास्थ्य सेवा अनुभव को बेहतर बनाना है। स्वास्थ्य सेवा उत्सव 3.0 कल शेष स्वास्थ्य संस्थानों के मूल्यांकन के साथ समाप्त होगा।

बंगाईगांव में ब्राउन शुगर के साथ तस्कर गिरफ्तार

बंगाईगांव (हिंस)। बंगाईगांव पुलिस ने ब्राउन शुगर के साथ एक कुख्यात तस्कर को गिरफ्तार किया। बंगाईगांव पुलिस ने बुधवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर अभयापुरी पुलिस चौकी के प्रभारी के नेतृत्व में एक टीम ने गेरुकाबारी के निवासी सरोवर आलम नामक व्यक्ति को काहिबारी खंड-1 गांव से गिरफ्तार किया। उसके कब्जे से 10.27 ग्राम संदिग्ध ब्राउन शुगर और नौ सौ रुपये नकद जब्त किए गए। जब्त किए गए ब्राउन शुगर का काले बाजार में मूल्य 10 लाख रुपए के करीब आंका गया है। पुलिस ने गिरफ्तार तस्कर के विरुद्ध एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मोइराबाड़ी में नाबालिग से दुष्कर्म मामले में दो गिरफ्तार

मोरीगांव (हिंस)। मोइराबाड़ी में एक नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म के मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पीड़िता के साथ मोरीगांव जिले के मोइराबाड़ी में बलात्कार किया गया। पीड़िता को मोरीगांव जिले के एक खेत में अगवा कर उसके साथ तीन लोगों द्वारा बार-बार बलात्कार किया गया। पीड़िता को जियाबुर और इजाजुल नामक आरोपियों ने मोटरसाइकिल पर उस समय अगवा किया, जब वह अपने घर के पास एक दुकान पर पेन खरीदने जा रही थी। उन्होंने रात 10 बजे तक उसके साथ बलात्कार किया और उसे नूरुल हुसैन नामक एक अन्य आरोपी के घर पर छोड़ दिया। मोइराबाड़ी के आरोपियों जियाबुर हुसैन (28) और इजाजुल को पुलिस ने बुधवार को गिरफ्तार कर लिया है।

गुवाहाटी सकल जैन समाज ने अल्पसंख्यक मुद्दों पर की विचार-विमर्श

गुवाहाटी (विभास)। गुवाहाटी सकल जैन समाज गुवाहाटी के सौजन्य से एटी रोड स्थित महावीर भवन के सन्मति प्रांगण में श्री दिगंबर जैन पंचायत गुवाहाटी के तत्वाधान में अल्पसंख्यक मुद्दों पर विचार-विमर्श एवं सुझाव हेतु एक सभा का आयोजन श्री दिगंबर जैन पंचायत के चैयरमेन महावीर प्रसाद छाबड़ा की अध्यक्षता में किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में भारत सरकार के राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के सदस्य धन्य कुमार जिनप्पा गुंडे उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान महावीर के चित्र के आगे दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। इस अवसर पर दिगंबर जैन पंचायत के चैयरमेन महावीर प्रसाद छाबड़ा, दिगंबर जैन महासभा के उपाध्यक्ष अशोक छाबड़ा, अल्पसंख्यक आयोग असम प्रांत के सदस्य तथा जीतो के परियोजना सदस्य मनीष कुमार जैन (छाबड़ा) उपस्थित थे। सभा में आयोग के सदस्य को सकल दिगंबर जैन समाज की तरफ से विभिन्न मांगो से लिखित कई स्मारक पत्र दिए गए। श्री दिगंबर जैन पंचायत ने स्मारक पत्र के जरिए मंत्री से एमजी रोड में स्थित महावीर उद्यान को बचाने के लिए उपयुक्त कदम उठाने का अनुरोध किया। इस स्मारक पत्र में श्री दिगंबर जैन पंचायत गुवाहाटी, जैन श्वेतांबर तेरापंथ सभा, वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, श्री साधुमार्गी जैन श्रावक संघ, श्री श्वेतांबर मंदिर मार्गी संघ के अध्यक्ष व मंत्री ने भी हस्ताक्षरित किया। सकल जैन समाज गुवाहाटी ने अपने स्मारक पत्र में भगवान महावीर के 2550 वां भगवान महावीर निर्वाण महोत्सव के उपलक्ष्य में फैंसी बाजार बोटैनिकल गार्डन का नाम भगवान महावीर अहिंसा पार्क रखने की मांग की एवं कामाख्या स्टेशन से गया के लिए साप्ताहिक रेल शुरू करने का अनुरोध भी किया। ताकि गोमोह जंक्शन के पास 20 तीर्थंकरो का निर्वाण स्थल समेद शिखर तक श्रद्धालु एवं दर्शनार्थीयों को पहुंचने में सुविधा मिले। उत्तर पूर्व रेलवे द्वारा पारसनाथ रेल स्टेशन तक भी सीधी रेल सेवा शुरू करने का अनुरोध स्मारक पत्र में किया गया। यह ट्रेन हर शनिवार को सुबह गुवाहाटी से और सोमवार को सुबह गया जंक्शन से अपनी यात्रा शुरू कर यात्रियों को सुविधा प्रदान करने का अनुरोध भी किया गया। श्री भगवान महावीर धर्मस्थल ने स्मारक पत्र देते हुए अनुरोध किया कि उन्हें प्राय 50 बीघा जमीन गुवाहाटी में आवंटित की जाए।

खैराबाड़ी के गौरंगपाड़ा में शरणीया कछारी साहित्य सभा का केंद्रीय अधिवेशन सात से

रंगिया (विभास)। शरणीया समुदाय के जातीय संगठनों में से एक, शरणीया कछारी साहित्य सभा, असम का दूसरा पूर्णांग त्रैवार्षिक अधिवेशन आगामी 7 और 8 दिसंबर को खैराबारी के निकटतम गौरंगपाड़ा खेल मैदान प्रांगण में आयोजन होने की जानकारी स्वागत समिति के सचिव लंकेश्वर डेका द्वारा दी गई है। कार्यक्रम का शुभारंभ बीटीसी के कार्यकारी सदस्य रनेंद्र नर्जरी द्वार मुख्य द्वार का उद्घाटन के साथ सुबह 8.30 बजे किया जाएगा। इसके पश्चात् क्रमशः रभा का उद्घाटन नॉर्थ-ईस्ट रेनबो फाउंडेशन के अध्यक्ष पूर्णधर सैकिया, मंच का उद्घाटन बीटीसी खैराबारी क्षेत्र के पारिषद भवेंद्र बोड़ो, अतिथिशाला का उद्घाटन शरणीया कछारी गणतांत्रिक नारी मंच, असम की अध्यक्षा जयमती बोरा, प्रतिनिधि सभा भवन का उद्घाटन समाज सेवी विष्टि राम बोड़ो, पौधरोपण और सेमिनार का उद्घाटन उदालगुड़ी जिला साहित्य सभा के अध्यक्ष गौरी शंकर दास द्वारा किया जाएगा। वहीं इस दिन सुबह 11 बजे शरणीया कछारी परिवेश्य कला प्रदर्शन का उद्घाटन क्रीड़ा विद जुलिमा डेका

और शरणीया कछारी साहित्य सभा, असम के आजीवन सदस्य के प्रीति सम्मेलन का उद्घाटन पूर्व छात्र नेता धर्मेश्वर डेका करेंगे। कार्यक्रम के दौरान शाम चार बजे द्वितीय पूर्णांग त्रिवार्षिक अधिवेशन की स्मृति ग्रंथ और मुखपत्र *हाशदा* की विशेष संख्या का विमोचन विशिष्ट लेखक नलिनी डेका और सेवानिवृत्त प्रवक्ता जगत बोरा द्वारा किया जाएगा। पहली प्रतिनिधि बैठक का उद्घाटन शाम पांच बजे शरणीया कछारी विकास परिषद के उपाध्यक्ष कुमुद दास करेंगे। कार्यक्रम के दूसरे दिन की शुरुआत 8 दिसंबर को सुबह 8 बजे लोकश्री सोनबर बरुवा के मुख्य ध्वज को फहराने के साथ होगी। कार्यक्रम के दौरान सुबह 11बजे विशेष सांस्कृतिक समारोह का उद्घाटन प्रमुख संस्कृतिकर्मी प्रफुल्ल लहकर द्वारा किया जाएगा और दोपहर को आयोजित होने वाली बैठक का उद्घाटन किशोर कुमार दास द्वारा किया जाएगा। बैठक में बीटीसी के मुख्य कार्यकारी सदस्य प्रमोद बोड़ो मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। वहीं विशिष्ट लेखिका काबेरी कछारी और अखिल असम शरणीया कछारी छात्र संस्था के महासचिव दीपज्योति शरणीया मुख्य वक्ता के रूप में भाग लेंगे। समारोह में पानेरी के विधायक विश्वजीत दैमारी, सेवानिवृत्त प्राचार्य डॉ. अनिल सैकिया, सेवानिवृत्त अध्यापक डॉ. उपेन राभा हाकासाम, विधायक डॉ. परमानंद राजवंशी, असम साहित्य सभा के अध्यक्ष पद्मश्री डॉ. सूर्यकांत हजारिका, स्वदेशी जनजाति साहित्य सभा के अध्यक्ष डॉ. गोविंद टाइड उपस्थित होंगे। इस कार्यक्रम में बोड़ो साहित्य सभा के अध्यक्ष डॉ. सुरथ नारजारी, प्राग न्यूज के मुख्य संपादक प्रशांत राजगुरु, दैनिक असम अखबार के उप संपादक शिव प्रसाद डेका और अन्य गणमान्य व्यक्ति भाग लेंगे। वहीं शाम को आमंत्रित अतिथियों द्वारा आयोजित होने वाले कार्यक्रम का उद्घाटन ज्योति चित्रवन के अध्यक्ष विद्या सागर द्वारा किया जाएगा। आयोजकों द्वारा दोनों दिन के सभी कार्यक्रमों में लोगों की उपस्थिति और सहयोग की कामना की गई है।

संपादकीय

तीन बच्चे होंगे मीठी खीर

क्या सरसंघचालक मोहन भागवत जनसंख्या विशेषज्ञ हैं? वह बार-बार भारत की जनसंख्या पर चिंता जताते रहे हैं, जबकि घटती जनसंख्या-दर एक वैश्विक समस्या है। संघ प्रमुख का मानना है कि भारत में प्रजनन-दर घट रही है, लिहाजा उन्होंने कमोबेश 3 बच्चे पैदा करने का आह्वान भी किया है। भारत की मौजूदा आबादी 145 करोड़ से अधिक है और हम विश्व की आबादी का 18वां हिस्सा हैं। देश की प्रजनन-दर करीब 1.94 है, जो 2.1 के औसत से कम है। सरसंघचालक ने जनसंख्या विज्ञानियों के माध्यम से कहा है कि यदि प्रजनन-दर 2.1 से लगातार कम रहती है, तो एक दिन वह समुदाय, समाज विलुप्त हो सकता है! कई भाषाओं और समाजों को विलुप्त होते देखा गया है। सूडान का तो विभाजन हो गया है। पुर्तगाल सर्बिया से स्वतंत्र होना चाहता था, लेकिन आबादी कम होने के कारण उसका भूगोल ही बदल गया। इंडोनेशिया सबसे अधिक मुस्लिम आबादी वाला देश बन गया। भारत के संदर्भ में तमिलनाडु और आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्रियों ने कमोबेश 16 बच्चे पैदा करने की अनिवार्यता के आधार और कारण गिनाए हैं। इन राज्यों का डर है कि एक दिन वे हिंदी-भाषी, उत्तरी भारत के राज्यों की तुलना में असरहीन हो जाएंगे, क्योंकि राष्ट्रीय संदर्भ में उनकी आबादी, प्रजनन-दर कम हो रही है। बहरहाल सरसंघचालक की जो चिंता है, वैसी ही चिंता चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग, रूसी राष्ट्रपति पुतिन, फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों, इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी के साथ-साथ दक्षिण कोरिया और जापान की सरकारों की भी है। अगली सदी के बाद दक्षिण कोरिया का अस्तित्व ही दुनिया से खत्म हो सकता है! इन देशों की चिंता यह भी है कि उनकी आबादी 'बूढ़ी' होती जा रही है। कामगारों की संख्या कम हो रही है, लिहाजा जीडीपी भी सिकुड़ता जा रहा है। हालांकि भारत की जनसंख्या विश्व में सर्वाधिक है।

> भारत की मौजूदा आबादी 145 करोड़ से अधिक है और हम विश्व की आबादी का 18वां हिस्सा हैं। देश की प्रजनन-दर करीब 1.94 है, जो 2.1 के औसत से कम है। सरसंघचालक ने जनसंख्या विज्ञानियों के माध्यम से कहा है कि यदि प्रजनन-दर 2.1 से लगातार कम रहती है, तो एक दिन वह समुदाय, समाज विलुप्त हो सकता है! कई भाषाओं और समाजों को विलुप्त होते देखा गया है। सूडान का तो विभाजन हो गया है। पुर्तगाल सर्बिया से स्वतंत्र होना चाहता था, लेकिन आबादी कम होने के कारण उसका भूगोल ही बदल गया। इंडोनेशिया सबसे अधिक मुस्लिम आबादी वाला देश बन गया। भारत के संदर्भ में तमिलनाडु और आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्रियों ने कमोबेश 16 बच्चे पैदा करने की अनिवार्यता के आधार और कारण गिनाए हैं। इन राज्यों का डर है कि एक दिन वे हिंदी-भाषी, उत्तरी भारत के राज्यों की तुलना में असरहीन हो जाएंगे, क्योंकि राष्ट्रीय संदर्भ में उनकी आबादी, प्रजनन-दर कम हो रही है।

फिलहाल करीब 50 फीसदी आबादी की औसत उम्र 25 साल है, करीब 65 फीसदी आबादी की उम्र 35 साल से कम है, लेकिन 2022 में 60 साल से ऊपर वाली आबादी 10.5 फीसदी थी। संकेत स्पष्ट हैं कि औसत आयु बढ़ रही है, आम आदमी अलग-अलग कारणों से स्वस्थ है, लिहाजा वह दीर्घायु हो रहा है। 2024 में प्रति 1000 लोगों पर हमारी जन्म-दर 16.750 है। प्रति महिला जन्म-दर 2.03 है। 2023 की तुलना में यह 1.17 फीसदी कम है। भारत की औसत आयु 28.4 वर्ष है। हमारी आबादी अगले 77 सालों में दोगुनी हो जाएगी। उसके बाद आबादी घटनी शुरू होगी। प्रजनन-दर को हिंदू-मुसलमान के चश्मे से नहीं देखना चाहिए। अभी तक जनसंख्या-विस्फोट की बात कही जाती थी। 'हम दो, हमारे दो' का सरकारी नारा बुलंद रहा है। सवाल है कि संघ प्रमुख ने तीन बच्चे पैदा करने का आह्वान क्यों किया है? आम चुनाव तक प्रधानमंत्री मोदी ने ज्यादा बच्चे पैदा करने का विरोध किया था और मुसलमानों को निशाना बनाया था। जब आगामी 77 साल में भारत की आबादी दोगुनी होनी है, तो 2 की जन्म-दर से ही देश विलुप्त होने के कगार पर कैसे आ सकता है? मुसलमानों में प्रजनन-दर 2.36 है, जो कुछ सालों पूर्व तक 4 थी। सवाल यह भी है कि क्या भारत में तीन बच्चे 'मीठी खीर' साबित होंगे? क्या देश में इतनी नौकरियां हैं, रोजगार के केंद्र हैं, सडक़ें और मकान हैं, अस्पताल और स्कूल-कॉलेज हैं, बुनियादी ढांचा है, क्या आर्थिक संसाधन हैं? तीन बच्चों की आबादी का भरण-पोषण कैसे करेंगे? एमबीबीएस की एक सीट के लिए कमोबेश 45 लाख रुपए खर्च करने पड़ते हैं। एमबीए करने के लिए 25 लाख रुपए का औसत है, बीटेक पर भी 15-20 लाख रुपए खर्च होते हैं। इतना धन कहां से लाएंगे? बहरहाल भारत सरकार की ओर से बयान आना चाहिए कि वस्तुस्थिति क्या है और भारत को क्या करना चाहिए।

बेशक कुछ अपवाद भी हो सकते हैं, लेकिन वही जिनके नेहरू-गांधी परिवार से ठीकठाक सम्बन्ध हैं

जीत और गठबंधन की मृगमरीचिका में आखिर कबतक भटकेगी कांग्रेस?

कमलेश पांडे

कांग्रेस एक पुरानी राजनीतिक पार्टी है, जिसका देशव्यापी जनाधार है। लेकिन वह 'जीत' और 'गठबंधन' की मृगमरीचिका में आखिर कबतक भटकेगी, यह एक यक्ष प्रश्न है? आखिर कमजोर 'सियासी बैशाखियों' के सहारे उसकी जीत कितना मुकम्मल कहलाएगी और स्थायी बन पाएगी, यह उससे भी ज्यादा विचारणीय पहलू है! वैसे भी जब कांग्रेस विभिन्न महत्वपूर्ण राज्यों में क्षेत्रीय दलों की वैशाखी ढूंढ़ती है या फिर मुद्दों के बियाबान में भटकती और फिर स्टैंड बदलती नजर आती है तो मुझे इसके रणनीतिकारों पर तरस आती है। ऐसा इसलिए कि मैंने भू-जमींदारी देखी है, जहां पर लोग अपनी जमीनें ठेके या बंटाईदारी पर देकर अनाज और पैसे दोनों लेते हैं। ठीक उसी तरह से आज कांग्रेस के रसूखदार और धन्नासेठ नेता पार्टी संगठन में पद और चुनावी टिकट देने के वास्ते 'वोट' और 'पैसा' दोनों लेते/लिवाते हैं, यह जानते हुए भी कि सामने वाला न तो उनका जनाधार बढ़ा पाएगा और न ही चुनाव जीत/जीतवा पाएगा। ऐसा वो सिर्फ इसलिए करते हैं कि सामने वाला अमीर है, वफादार है, पिछलग्गू भर है या फिर निहित समीकरण वश किसी ने उसकी सिफारिश की है। बेशक कुछ अपवाद भी हो सकते हैं, लेकिन वही जिनके नेहरू-गांधी परिवार से ठीकठाक सम्बन्ध हैं। अब बात पते की करते हैं। जैसे एक शातिर बंटाईदार अपने भूस्वामी की भूमि पर भी कब्जा कर लेता है और इसमें जब वह असफल होता है तो जमीन मालिक से कम कीमत में उसकी रजिस्ट्री करवाना चाहता है। अनुभवहीन भूस्वामियों को ऐसा करते हुए भी देखा सुना है। ठीक इसी प्रकार लालू प्रसाद और स्व. मुलायम सिंह यादव जैसे नवसियासी बटाईदारों ने कांग्रेस के साथ किया और आज क्षेत्रीय सियासी जमींदार बन बैठे हैं। ऐसा इसलिए सम्भव हो सका, क्योंकि निहित स्वार्थवश पीवी नरसिम्हाराव यही चाहते थे! उनके तिकड़म को सोनिया गांधी नहीं समझ सकीं! वहीं, आज जब राहुल-प्रियंका गांधी की कांग्रेस की रीति नीति देखता हूँ तो इनकी राजनीतिक जमींदारी के हश्र को महसूस भी करता हूँ। कांग्रेस माने या न माने, लेकिन समाजवादी, वामपंथी और राष्ट्रवादी सियासी जमींदारों ने उसकी राजनीतिक जमींदारी को क्षत-विक्षत करने में अहम भूमिका निभाई है और हैरत की बात यह है कि वह समझ नहीं पाई और नादान बनी रही। जबकि इसके खिलाफ ठोस और जमीनी रणनीति बनानी चाहिए। जैसे कि उसके बाद जन्मी भाजपा ने किया है। माना कि सत्ता प्राप्ति के लोभ में क्षेत्रीय दलों से गठबंधन यानी यूपीए/महागठबंधन की सोच तो सही है, लेकिन इनके इशारे पर कांग्रेस संगठन को हांकना कतई सही नहीं है। कांग्रेस इससे इंकार कर सकती है, लेकिन वह आज इसी की पूरी सियासी कीमत अदा कर रही है। आज वह सत्ता में नहीं है, फिर भी उन्हीं लोगों से सहारा ढूंढ रही है, जो उसकी सियासी पतन के लिए कसूरवार हैं। चूंकि मैंने एआईसीसी/बीजेपी/तीसरे मोर्चे को कवर किया है, इसलिए दावे के साथ कह सकता हूँ कि कांग्रेस के अंग्रेजी भाषी दलाल नेताओं ने उसके जमीनी नेताओं को भाजपा या क्षेत्रीय दलों में जाने के लिए अभिशप्त कर दिया। चूंकि कांग्रेस के जमीनी नेताओं के पास रणनीति और जनाधार दोनों है, इसलिए वो अपने व्यक्तिवादी मिशन में सफल रहे, लेकिन कांग्रेस दिन ब दिन डूबती चली गई। राजनीतिक परिस्थिति वश कभी दो डग आगे तो चार कदम पीछे चलने को अभिशप्त हो गई। इस बात में कोई दो राय नहीं कि किसी भी स्थापित दल को चलाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय और क्षेत्रीय लायजनरों की जरूरत पड़ती है, लेकिन इनके निहित स्वार्थों के ऊपर यदि ब्लॉक, जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर जनाधार रखने वाले नेताओं की उपेक्षा की जाएगी तो फिर वोट कहाँ से आएगा, यह सोचने की फुर्सत सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी के पास नहीं होगी। अतीत पर नजर डालें तो एक जमाना था जब गांव-गांव में कांग्रेस के मजबूत शुभचिंतक थे, लेकिन पार्टी की अव्यवहारिक रीति-नीति के चलते वह इससे दूर होते चले गए। दो टूक कहें तो भाजपा में या क्षेत्रीय दलों में शिफ्ट हो गए। ऐसे में आज कांग्रेस के पास सिर्फ उन 'धनपशुओं' की टोली बची है, जिनको दूसरी राजनीतिक पार्टियां कभी तवज्जो नहीं देतीं। इनका काम कांग्रेस की सत्ता और संगठन के बड़े नेताओं के शाही खर्चों का इंतजाम करना भर है और इसलिए इनके समर्थक ब्लॉक, जिला, राज्य व राष्ट्रीय संगठनों पर हावी हैं। चूंकि इनका कोई जनाधार नहीं है और ये जनाधार वाले कार्यकर्ताओं को तवज्जो नहीं देते, इसलिए कांग्रेस खत्म होती चली गई। वहीं, जब से क्षेत्रीय कांग्रेस के नेता अस्तित्व रक्षा के लिए बिहार में राजद प्रमुख लालू प्रसाद व तेजस्वी यादव तथा उत्तरप्रदेश में सपा प्रमुख स्व. मुलायम सिंह यादव और अखिलेश यादव जैसे मजबूत नेताओं के इशारे पर काम करने लगे, तब से पार्टी संगठन की स्थिति और अधिक दयनीय हो गई। आलम यह है कि कांग्रेस जैसी राजनीतिक पार्टी, जिसे देश की आजादी का श्रेय प्राप्त है, जब जनजीवन व राष्ट्रीय हितों से इतर प्रमुख जातीय, सांप्रदायिक और क्षेत्रीय समीकरणों पर खेलने लगी, तो उसकी जोड़-तोड़ से सत्ता तो बदलती रही, परंतु जनाधार छीजता चला गया। क्योंकि उसके प्रति निष्ठावान रहे प्रतिभाशाली पेशेवर, कारोबारी, प्रशासक और समाजसेवी आदि उससे दूर होते चले गए। चूंकि पहले क्षेत्रीय दलों और उसके बाद भाजपा ने उन्हें तवज्जो दी, इसलिए वो सब इनके साथ जुड़ गए, जिससे इन्हें अप्रत्याशित मजबूती मिली और कांग्रेस को कमजोरी मुबारक हुई। अब जब कांग्रेस की ट्रू कॉपी भाजपा बनती जा रही है तो भी कांग्रेस के थिंक टैंक को असली मुद्दे समझ में नहीं आ रहे हैं। शायद उसकी इसी मनोवृत्ति पर चोट करते हुए पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा है कि कांग्रेस को पुराने ढर्रे की राजनीति बंद करनी होगी और नए ढर्रे बनाने होंगे। अन्यथा सियासी सफलता मुश्किल है। लिहाजा कांग्रेस की इसी कमजोरी को मजबूती में बदलने का आह्वान पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने किया है। हाल ही में हरियाणा और महाराष्ट्र में पार्टी और गठबंधन की हुई करारी हार के बाद हुई पहली कांग्रेस वर्किंग कमिटि की बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने दो टूक कहा कि अब पार्टी में जवाबदेही तय करने का वक्त आ गया है। क्योंकि इन दोनों ही राज्यों में महज चंद महीने पहले पार्टी का प्रदर्शन काफी संतोषजनक रहा था। लेकिन अब जो नई दुर्गति सामने आई है, वह हमें नए सिरे से सोचने पर मजबूर करती है। बता दें कि 29 नवंबर 2024 शुक्रवार को हुई कांग्रेस के सर्वोच्च नीति निर्धारक इकाई की इस समीक्षा बैठक में खरगे के अलावा तमाम सीनियर नेता, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस की नवनिर्वाचित सांसद प्रियंका गांधी भी मौजूद थी।

> आखिर कमजोर 'सियासी बैशाखियों' के सहारे उसकी जीत कितना मुकम्मल कहलाएगी और स्थायी बन पाएगी, यह उससे भी ज्यादा विचारणीय पहलू है! वैसे भी जब कांग्रेस विभिन्न महत्वपूर्ण राज्यों में क्षेत्रीय दलों की वैशाखी ढूंढ़ती है या फिर मुद्दों के बियाबान में भटकती और फिर स्टैंड बदलती नजर आती है तो मुझे इसके रणनीतिकारों पर तरस आती है। ऐसा इसलिए कि मैंने भू-जमींदारी देखी है, जहां पर लोग अपनी जमीनें ठेके या बंटाईदारी पर देकर अनाज और पैसे दोनों लेते हैं

दृष्टि कोण

श्रीमद्भगवद गीता के उपदेश की प्रासंगिकता

वीर भोग्या वसुंधरा, श्रीमद्भगवदगीता के श्लोक का यह अंश सेना की 'राजपूताना राइफल' का आदर्श वाक्य है। अर्थात 'केवल शूरवीर व शक्तिशाली लोग ही धरती का उपयोग कर सकते हैं।' 'स्वधर्मे निधानं श्रेयः', गीता के तीसरे अध्याय के 35वें श्लोक का यह प्रसंग 'मद्रास रेजिमेंट' का ध्येय वाक्य है। अर्थात अपने धर्म के लिए वीरगति को प्राप्त होना गर्व का विषय है। 'युद्धाय कृत निश्चयः', दूसरे अध्याय के 37वें श्लोक का यह अंश 'गढ़वाल राइफल' का आदर्श वाक्य है अर्थात 'युद्ध का निश्चय करो'। 'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन' अर्थात 'तेरा अधिकार केवल कर्म करना है। आप कर्मों के फल के हकदार नहीं हैं।' भगवद्गीता के दूसरे अध्याय के 47वें श्लोक का यह प्रसंग मुस्लिम राष्ट्र इंडोनेशिया की वायुसेना की स्पेशल यूनिट 'पाशखस' का आदर्श वाक्य है। मार्गशीर्ष मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी के दिन महाभारत युद्ध से पूर्व श्रीकृष्ण ने कुरुक्षेत्र की युद्धभूमि पर अर्जुन को उपदेश दिया था। इस दिन को मोक्षदा एकादशी व गीता जयंती के रूप में भी मनाया जाता है। कुरुक्षेत्र की रणभूमि पर युद्ध के लिए तैयार खड़ी कौरव सेना में भीष्म पितामह, अपने गुरु, चचेरे भाइयों व सगे संबंधियों को देखकर अर्जुन के मन में अहिंसा का भाव उत्पन्न हो गया था। भीष्म पितामह व गुरु द्रोणाचार्य के प्रति अर्जुन के मन में अपार श्रद्धा व मोह था, मगर दोनों अजेय योद्धाओं के जीवित रहते पांडव महाभारत युद्ध में जीत प्राप्त नहीं कर सकते थे। उस समय क्षत्रिय धर्म भूलकर युद्ध से विमुख हो चुके सर्वश्रेष्ठ धनुर्धर अर्जुन के लिए एक मार्गदर्शक की जरूरत थी। अतः अर्जुन के उस मोह का नाश करने के लिए श्रीकृष्ण ने युद्धभूमि पर अर्जुन को जो उपदेश दिया था, वो दिव्य ज्ञान श्रीमद्भगवदगीता में लिपिबद्ध है। श्रीकृष्ण महाभारत युद्ध में अर्जुन के सारथी बने तथा युद्ध की रणनीति बनाकर विजय दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। गीता उपदेश की प्रेरणा से अर्जुन ने 'नंदीघोष' रथ पर सवार होकर कुरुक्षेत्र की समरभूमि पर अपने गांडीव धनुष की बाणवर्षा से जिस शौर्य पराक्रम का परिचय दिया था। वो शूरवीरता एक महागाथा बन चुकी है। गीता के जिस उपदेश ने अर्जुन को धर्म व कर्म का मार्ग दिखाया था, उस कर्म मार्ग का गुणगान विदेशी लोग भी कर चुके हैं। विश्व की कई सफल हस्तियों ने गीता के 18 अध्यायों व सात सौ श्लोकों को प्रेरणादायी बताया है। जापान पर हुए परमाणु बम के हमले ने दूसरे विश्व युद्ध की तस्वीर बदलकर उस जंग का अंजाम तय कर दिया था। मगर समझने वाली बात यह है कि परमाणु बम के जनक अमेरिकी भौतिक विज्ञानी 'जूलियस राबर्ट ओपेनहाइमर' के मन में भगवद्गीता के ज्ञान को जानने की प्रबल जिज्ञासा थी। ओपेनहाइमर ने गीता का अनुवाद पढने के बजाय गीता के मूल स्वरूप को जानने के लिए सन्1933 में संस्कृत भाषा सीख ली थी। 1960 के दशक में एक गुफ्तगू के दौरान ओपेनहाइमर ने जिक्र किया था कि वह गीता के ग्यारहवें अध्याय के 32वें श्लोक 'कालेः अस्मि लोकक्षयकृत्प्रावद्धो लोका समाहर्तुमिह प्रवृतः' से काफी प्रभावित थे। अर्थात 'मैं लोकों का नाश करने वाला बढ़ा हुआ महाकाल हूं। इस समय इन लोकों को नष्ट करने के लिए प्रवृत्त हुआ हूं।' ओपेनहाइमर का तर्क था कि 16 जुलाई 1945 को अमेरिका में पहले परमाणु परीक्षण के भयंकर मंजर के बाद उन्हें भगवद्गीता का यही श्लोक याद आया था। गीता का गहन अध्ययन करने वाले अमेरिकी दार्शनिक 'हेनरी डेविड थोरो' का तर्क था कि 'भगवद्गीता में वर्णित सर्वश्रेष्ठ ज्ञान की सर्वकालिक प्रासंगिकता सदैव रहेगी। गीता के दिव्य ज्ञान को विश्व के समस्त धन से भी नहीं खरीदा जा सकता।' इंग्लैंड के दार्शनिक 'एफएच मोलेम' के अनुसार 'जिन गूढ़ मंत्रों का समाधान पश्चिमी लोग अभी तक नहीं खोज पाए, उनका समाधान गीता में शुद्ध व सरल रीति से हो चुका है। गीता जी मेरे लिए साक्षात योगेश्वरी माता हैं'। अमेरिकी लेखक 'राल्फ काल्डो एमरसन' तथा जर्मन विद्वान 'काल्टर शू ब्रिंग' जैसे गीता के ज्ञान के विदेशी प्रशंसकों की फेहरिस्त काफी लंबी है। स्मरण रहे कि हिंदोस्तान की सरजमीं से बर्तानियां हुकूमत को उखाडने वाले कई इंकलाबी चेहरों के लिए भी गीता का ज्ञान प्रेरणा बना था। पुणे में 22 जून 1897 को ब्रिटिश अधिकारियों 'वाल्टर चाल्स रैण्ड' व 'आयस्ट्र' को हलाक करने वाले आजादी के गुमनाम नायक 'दामोदर हरि चापेकर' ने 18 अप्रैल 1898 को हाथ में भगवद्गीता पकड़ कर फांसी का फंदा चूम लिया था। अंग्रेज सैन्य अधिकारी 'विलियम हट कर्जन वाइली' को हलाक करने वाले क्रांतिकारी 'मदन लाल ढींगरा' ने लंदन में 17 अगस्त 1909 को तख्ता-ए-दार पर झूलते वक्त वंदे मात्रम का उद्घोष करके हाथों में 'गीता' पकड़ी थी। सिंध से ताल्लुक रखने वाले उन्नीस वर्षीय स्वतंत्रता सेनानी 'हेमू कालानी' ने 21 जनवरी 1943 को गीता को हाथों में पकड़ कर फांसी का फंदा चूम लिया था।

कुछ अलग

वजीर, जमीर और मैं

एक मजे की बात! कल रात मेरा जमीर भी मर गया। कुल मिलाकर अवसर दुअवसर सुअवसर हर आदमी के पास दिखाने को एक जितना भी हो, जमीर ही होता है जो झूठ, बेईमानी में भी उसे जिंदा रहने की प्रेरणा देता रहता है। तब पल भर को तो मुझे लगा कि मैं भी अब गया। कारण, मेरे शतरंज के खास दोस्त बात बात पर कहा करते थे कि बेटा! शतरंज में वजीर और जिदंगी में जमीर मर जाए तो खेल खत्म हुआ समझो, चाहे कितनी ही गेम और जिंदगी क्यों न शेष बची हो। जमीर के मरते ही मुझे कुछ कुछ घुटन महसूस हुई। लगा, शतरंज वाला दोस्त ठीक ही कहता था। जमीर के मरते ही मैंने ज्यों ही इस बात की सुखद या दुखद जो भी मेरे फेसबुकिया फ्रेंड समझें सूचना अपने तमाम मित्रों से साझा की तो तुरंत मिली जुली प्रतिक्रिया हुई। आजकल लोग फेसबुक पर ही खाते हैं, फेसबुक पर ही नहाते हैं, फेसबुक पर ही मेहनत करते करते सो जाते हैं। कुछ ने तत्काल लिखा, 'गुड लक! बहुत भाग्यशाली हो। देर से ही सही, मरे जमीर वाले तो हुए। अब खीर खाओ। औरों की कड़ाही का हलुआ खाओ', तो कुछ जमीरियों ने लिखा, 'बेटा! अब तुम भी गए। जमीर मर जाने के बाद आदमी के भीतर कुछ शेष मरने को नहीं जाता। जितने को हम आते हैं अपनी अंतिम यात्रा की तैयारी करो। आते आते कुछ लाना हो तो फेसबुक पर डाल देना।' फेसबुक पर मेरे द्वारा मेरे जमीर के मरने की सूचना ज्यों ही मेरे परम मित्र को मिली तो वे दौड़े दौड़े मेरे पास आए। उन्होंने मुझे जिंदा देखा तो उन्हें हैरानी भी हुई और परेशानी भी। हैरानी और परेशानी के मिश्रित भाव उनके दिमाग पर देखे तो मैंने मजे लेने को पूछा, 'मित्र! इतने परेशान हैरान क्यों हो? अभी मेरा जमीर ही तो मरा है। मैं तो जिंदा हूं न, ये देखो, ये देखो।' 'यही देख तो मैं और हैरान और परेशान दोनों एक साथ हूं। कायदे से तो जमीर मरने के बाद तुम जैसे आदमी एकदम मरते देखे हैं मैंने। या तो तुम वैसे आदमी नहीं हो जैसा मैं सोचता था या फिर...दुकान बंद कर फेसबुकिया सूचना पढ़ आरआईपी लिखने के बदले दौड़ा दौड़ा चला आया कि इससे पहले तुम्हारी आंखें पूरी बंद हो जाएं मैं तुम्हारे जिंदा के अंतिम दर्शन कर लूं। मरने के बाद तो वे भी दर्शन करने पड़ोसी से उधार ले टैक्सी में दौड़े दौड़े आ जाते हैं जिन्होंने कभी बरसों हमें देखा भी न हो।' 'पर मुझे तो मेरे जमीर के मरने पर भी कुछ नहीं हो रहा। हां! शुरू शुरू में घुटन सी फील हुई थी, अब वह भी ठीक है। देखो तो, पहले से स्वस्थ मस्त हूं। अब मजे से सांस ले रहा हूं। बल्कि यूं कहूं कि पहले से इजीली सांस ले रहा हूं तो तुम्हें बहुत बुरा लगेगा। देखो तो, मेरा दिमाग मेरे जमीर के मरने पर पहले से भी अधिक एक्टिव हो गया है। मेरे जमीर के मरने के बाद मेरे चेहरे पर पहले से अधिक ग्लो नहीं रहे हो तुम क्या? मैंने तो जमीर के मरने पर सबसे पहले आइने में अपने चेहरे को ही देखा था कि वह कैसे बदलेगा अब? पर उस पर पहले से अधिक ताजगी दिखी तो मुझे पता चल गया था कि तुम मुझे आज तक झूठ बोल बोल कर डराए रहे ताकि मैं चैन से न जी सकूं। मित्र! सच कहूं तो मैं अपने को इस वक्त इतना डिलाइट फील कर रहा हूं जितना मैंने अपने सच के मरने पर भी न किया था। मित्र! सच कहूं तो मैं अपने को इस वक्त इतना डिलाइट फील कर रहा हूं जितना मैंने अपनी ईमानदारी के मरने पर भी न किया था। मित्र! सच कहूं तो मैं अपने को इस वक्त इतना डिलाइट फील कर रहा हूं जितना मैंने अपनी नैतिकता के मरने पर भी न किया था। मित्र! सच कहूं तो मैं अपने को इस वक्त इतना डिलाइट फील कर रहा हूं जितना मैंने अपने सच के मरने पर भी न किया था। मुंह पर कहता हूं मित्र! तुम झूठे नहीं, सरासर निकले! तुमने मुझे इतने सालों तक डराए रखा कि जमीर के मरने पर गधे से गधा भी मर जाता है।

देश दुनीया से

स्कूल छात्राओं की यौन सुरक्षा

नवंबर 2024 में दिल्ली में शाहदरा के आनंद विहार इलाके में एक स्कूल बस में एक स्कूली छात्रा के साथ कथित तौर पर यौन उत्पीडन का मामला सामने आया था। स्कूल छात्राओं का इस प्रकार का शोषण देश के अनेक राज्यों में लगातार देखने को मिल रहा है। इन ज्यादातर मामलों में आरोपी शिक्षा संस्थानों से जुड़े लोग ही होते हैं। यह एक सामाजिक चिंता का कारण है। ऐसे सभी मामले दूरदराज के छोटे गांवों से लेकर जाने-माने विश्वविद्यालयों तक के हैं, जहां यौन हिंसा को लेकर लड़कियां लगातार संघर्ष कर रही हैं और कई बार तो उनके स्कूल या कॉलेज छोडने तक की नौबत भी आ जाती है। लैंगिक भेदभाव के अलावा इस तथाकथित आधुनिक समाज में यौन शोषण एक बड़ा कारण भी है जिससे लड़कियां शिक्षा से दूर हो जाती हैं या उनके अभिभावकों द्वारा दूर कर दी जाती हैं। अक्सर शिक्षा और रोजगार के लिए जारी रिपोर्ट्स में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी को देखकर सभी खुद को शाबाशी देने लगते हैं। लेकिन हम यह भूल जाते हैं कि अभी भी समाज के कई हिस्सों में लड़कियों को अपनी बुनियादी शिक्षा और विकास के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) के मुताबिक लगभग पांच में से एक लडक़ी अभी भी निम्न-माध्यमिक शिक्षा की पढ़ाई पूरी नहीं कर पा रही है। लगभग 10 में से चार लड़कियां आज भी उच्च-माध्यमिक विद्यालय की पढ़ाई पूरी नहीं कर पा रही हैं। कुछ क्षेत्रों में तो संख्या और भी निराशाजनक है। यह पूरी दुनिया का हाल है। अपने यहां के हालात भी कुछ ऐसे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार यहां प्राइमरी स्कूल की शिक्षा पूरी करने के बाद लगभग 65 फीसदी लड़कियों ने स्कूल छोड़ दिया था। ये आंकड़े शिक्षा मंत्रालय ने अपनी पहली 'ग्रामीण भारत में प्राथमिक शिक्षा की स्थिति' रिपोर्ट में बताए हैं। हालांकि इस पढ़ाई छोडने के पीछे यौन हिंसा के अलावा और भी कई बड़े कारण हैं, लेकिन राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की वार्षिक रिपोर्ट कहती है कि भारत में पिछले तीन सालों में बच्चों के खिलाफ 418385 अपराध दर्ज किए गए। इनमें पॉक्सो एक्ट के तहत करीब 134383 मामले दर्ज हुए। पॉक्सो (प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रेन अगेंस्ट सेक्सुअल ऑफेंस) जैसे कड़े कानून के बावजूद भारत में बच्चों के खिलाफ यौन हिंसा के मामले कम नहीं हो रहे हैं, बल्कि इनमें साल दर साल इजाफा हो रहा है। महानगरों के अलावा छोटे शहरों में भी इस तरह के घिनौने अपराधों को अंजाम दिया जा रहा है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की साल 2020 की रिपोर्ट बताती है कि देश में बाल यौन शोषण के 47221 मामले दर्ज किए गए थे। इन मामलों में अधिकतर पीड़ित लड़कियां ही थीं। एनसीआरबी के मुताबिक यौन हिंसा और यौन शोषण की वारदातें सबसे अधिक 16 से लेकर 18 वर्ष की लड़कियों के साथ हुईं। इस क्षेत्र में काम करने वाले कार्यकर्ताओं का कहना है कि कई बार मामले पुलिस तक नहीं पहुंचते हैं या फिर परिवार ही बदनामी के डर से उसे दबा देता है। बच्चों को यौन शोषण से बचाने के लिए नौ साल पहले पॉक्सो कानून बनाया गया था। सवाल यह है कि क्या कानून अपने उद्देश्य को पूरा करने में सफल रहा है? 2016 से 2020 तक (एनसीआरबी) की रिपोर्ट के अनुसार, रिपोर्ट किए गए बाल यौन शोषण के मामलों की संख्या 2016 में 36321 से बढक़र 2020 में 47 हजार से अधिक हो गई। यह 31 प्रतिशत की वृद्धि है। विशेषज्ञों के अनुसार यह संख्या भी हिमखंड का सिरा मात्र है। एनसीआरबी की 2020 की रिपोर्ट में कहा गया है कि बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों में से सिर्फ 36 फीसदी ही पॉक्सो के तहत दर्ज होते हैं। बदलती तकनीक और इसके दुरुपयोग के साथ तालमेल रखने के लिए अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय कानूनों की विफलता की जांच करने वाले अधिकार समूह 'इक्वालिटी नाउ' का कहना है कि संभावित पीड़ितों को लक्षित करने के लिए शिकारी तेजी से सोशल मीडिया और ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म का उपयोग कर रहे हैं। इक्वालिटी नाउ के मुताबिक अपराधी गुमनाम तरीके से काम करते हैं और वे बहुत सीमित विनियमन के तहत काम करते हैं। इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि ये बच्चियों के माता-पिता के मन का सबसे बड़ा डर जरूर है। यह कटु सत्य है कि हमारे देश में कुछ लोग लड़कियों की शिक्षा को लेकर बहुत उत्सुक नजर नहीं आते। कहीं मां-बाप अपनी बच्चियों को घर से ज्यादा दूर भेजना नहीं चाहते, क्योंकि वे उनकी सुरक्षा को लेकर आश्वस्त नहीं रहते। तो कहीं वे उनकी पढ़ाई पर खर्च को फिजूल मानते हैं। कहीं घर की सोच सिर्फ लडक़ों को पढने की आजादी देती है, तो कभी कहीं किसी लडक़ी के साथ हुई शोषण-उत्पीडन की घटनाएं बाकी लड़कियों को भी घर में कैद होने को मजबूर कर देती हैं। अक्सर गांव के स्कूलों में लड़कियां शिकायत को भी आगे इसलिए नहीं आती क्योंकि उन्हें डर होता है कि उनकी पढ़ाई छूट जाएगी। फिर उनके लिए घर के चूल्हा-चौके से बाहर निकलने का यही एक रास्ता भी होता है। उनकी आवाज भी कई बार 'इज्जत' के नाम पर दबा दी जाती है। पॉक्सो यानी यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण कानून हमारे यहां बहुत मजबूत है, बावजूद इसके किसी में इसका डर नहीं है क्योंकि लड़कियों की स्थिति हर किसी को पता है, जो कभी डर तो कभी लालच से इन घटनाओं को छिपाने को मजबूर हो जाती हैं। गांव के स्कूलों में तो गुड टच-बैड टच किसी तरह की जागरूकता भी नहीं है। जब तक कोई बड़ी घटना सामने नहीं आती, कोई हलचल तक नहीं होती। और ऐसा भी नहीं कि इसका सिर्फ एक व्यक्ति जिम्मेदार है। यह पूरा सांठगांठ का एक खेल होता है जिसमें नीचे से लेकर ऊपर तक कई लोगों का हाथ होता है और कई बार तो शासन-प्रशासन की संलिप्तता भी देखने को मिलती है। इस ओर सरकार और महिला आयोग का ध्यान बिल्कुल ही नहीं जाता, जब तक कुछ बड़ा नहीं हो जाता। क्या इस बात का जवाब दे सकते हैं कि जब बेटी स्कूल में ही सुरक्षित नहीं है तो पढ़ाई कैसे करेगी? हम खुद को भले ही कितना आगे बढ़ता हुआ देखें, भले ही हमने चांद पर कदम रख लिया हो, चाहे क्यों न हमने पृथ्वी के साथ मंगल ग्रह में भी अपना परचम फहरा दिया हो, लेकिन जब तक देश की बेटी ही सुरक्षित न हो तो ऐसे देश के विकासशील होने का भला क्या फायदा। गौरतलब है कि कई बार स्कूल से लेकर विश्वविद्यालयों तक लड़कियों ने अकेले और सामूहिक रूप से यौन शोषण के खिलाफ आवाज बुलंद की है।

आप का नजरीया

सरकार की डीप पॉकेट

वाहनों की तादाद में भागती आर्थिकी से सरकार की आय का निस्सारण सीधे जुड़ा है। इसके साथ विकास और सुविधाओं के कई आगाज नत्थी

सुखबीर पर हमला करने वाला नारायण चौड़ा आतंकी गतिविधियों में रहा है लिप्त

चंडीगढ़ (हिंस)। अमृतसर स्थित दरबार साहिब में सुखबीर बादल पर जानलेवा हमला करने का आरोपी नारायण सिंह चौड़ा आतंकी गतिविधियों में लिप्त रहा है। चौड़ा पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह के हत्यारोपियों की मदद करने वाले आतंकियों में शामिल रहा है और इस मामले में जेल भी काट चुका है। नारायण सिंह चौड़ा गुरदासपुर के डेरा बाबा नानक का रहने वाला है। वह सिख संगठन दल खालसा का मेंबर है। अमृतसर के पुलिस आयुक्त गुरप्रीत सिंह भुल्लर स्वयं चौड़ा से पूछताछ कर चुके हैं। इस बीच अकाली दल ने आक्रामक होकर सरकार को घेर लिया है। अकाली नेता दलजीत चीमा ने कहा कि गुरदासपुर से कांग्रेस सांसद सुखजिंदर रंधावा का साथी मार्केट कमेटी का चेयरमैन है। गोली चलाने वाला व्यक्ति चेयरमैन के साथी का भाई है। सुखबीर के सुरक्षाकर्मियों को भी इसकी भनक लग गई। उन्होंने चौड़ा पर नजर रखी। चौड़ा पहले वहां घूमता रहा। इसके बाद वह धीरे-धीरे दरबार साहिब गेट तक बढ़ा, जहां सुखबीर बादल व्हीलचेयर पर बैठकर सेवादार की ड्यूटी कर रहे थे। पंजाब के डीजीपी लॉ एंड आर्डर अर्पित शुक्ला ने मीडिया से बातचीत में कहा कि पंजाब पुलिस की मुस्तैदी के कारण यह हमला असफल हो गया है। उन्होंने कहा कि पंजाब पुलिस के कांस्टेबल रछपाल सिंह ने आरोपी को सबसे पहले पकड़ा और फायर की दिशा बदल गई। इसके बाद वहां तैनात कांस्टेबल जसबीर सिंह व परविंद्र सिंह ने नारायण सिंह चौड़ा को दबोच लिया। हमला करने वाला नारायण सिंह वर्ष 1984 से आतंकी गतिविधियों में शामिल रहा है।

अमृतसर में दरबार साहिब के बाहर सुखबीर सिंह बादल पर चली गोली, बाल-बाल बचे

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री और शिरोमणि अकाली दल (बादल) के पूर्व अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल आज सुबह बाल-बाल बच गए। अमृतसर में दरबार साहिब के बाहर धार्मिक सजा भुगत रहे सुखबीर बादल पर गोली चलाने वाले व्यक्ति को सेवादारों ने दबोच लिया। इस घटना से दरबार साहिब में अफरा-तफरी मच गई। इसके बाद अमृतसर में दरबार साहिब की तरफ जाने वाले सभी रास्तों पर पुलिस बल तैनात कर दिया गया। अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी रघुबीर सिंह ने दो दिसंबर को सुखबीर समेत पूर्व अकाली मंत्रियों को धार्मिक सजा सुनाई थी। आज सुखबीर बादल व्हील चेयर पर सेवादार का चोला पहनकर, हाथ मे बरछा लेकर दरबार साहिब के मुख्य दरबार के बाहर दरबान बनकर बैठे थे। इसी दौरान संगत के साथ दल खालसा के नारायण सिंह चौड़ा पहुंचे। उन्होंने रिवाल्वर निकाली और सुखबीर की तरफ तान दी। यह देख अन्य सेवादार चौड़ा की तरफ लपके। इस क्रम में गोली चल गई। सुखबीर के सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें अपने घेरे में ले लिया। अमृतसर के एडीसीपी हरपाल सिंह के अनुसार आरोपी दल खालसा से संबंधित बताया जा रहा है। पुलिस को पहले से इस तरह की घटना का अंदेशा था। संदिग्धों की सूची में आरोपित का नाम भी था। उसे पकड़ लिया गया है और पूछताछ जारी है। इस घटना पर पूर्वमंत्री एवं अकाली दल प्रवक्ता डॉ. दलजीत सिंह चीमा ने कहा कि मैं सच्चे पादशाह का धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने अपने सेवक (सुखबीर सिंह बादल) के सिर पर हाथ रख दिया और वे बच गए। उन्होंने कहा कि यह निंदनीय है। दरबार साहिब के बाहर एक सेवक पर हमला होना गलत है। मुख्यमंत्री मान को अपने पद से इस्तीफा दे देना चाहिए।

16वां प्रकृति अंतर्राष्ट्रीय वृत्तचित्र फिल्म महोत्सव का आगाज : राज्यपाल ने किया शुभारंभ

जोधपुर (हिंस)। शैक्षिक संचार संकाय (सीईसी) की ओर से 16वें प्रकृति अंतर्राष्ट्रीय वृत्तचित्र फिल्म महोत्सव का पुरस्कार-सह-स्क्रीनिंग जय नारायण व्यास विश्वविद्यालय जोधपुर के ईएमएमआरसी की मेजबानी में आज से 6 दिसंबर तक जयनरायण व्यास स्मृति भवन टाउन हॉल में आयोजित किया जा रहा है। महोत्सव का उद्घाटन प्रदेश के राज्यपाल हरिभाउ बागड़े ने प्रात: 11 बजे किया। फिल्म फेस्टिवल में छात्रों और आमजन को जागरूक करने के लिए 13 फिल्मों का प्रदर्शन किया जा रहा है। इन फिल्मों का पूर्वावलोकन और चयन प्रतिष्ठित जूरी की एक टीम द्वारा कड़ी प्रक्रिया के बाद किया गया। प्रकृति इंटरनेशनल डॉक्यूमेंट्री फिल्म फेस्टिवल के विजेता वृत्तचित्रों को स्क्रीनिंग सर्टिफिकेट और ट्रॉफी के अलावा 50 हजार रुपए का नकद पुरस्कार प्रदान किया जाता है। सीईसी फिल्म निर्माताओं/फिल्म प्रेमियों को प्रोत्साहित करने और युवाओं को पर्यावरण, विकास, मानवाधिकार और स्वच्छ भारत (स्वच्छ भारत अभियान) जैसे मुद्दों के बारे में जागरूक करने के लिए प्रतिवर्ष प्रकृति अंतर्राष्ट्रीय वृत्तचित्र फिल्म महोत्सव का आयोजन करता है। पहला प्रकृति महोत्सव 1997 में आयोजित किया गया था। तब से, इसे एक वार्षिक कार्यक्रम के रूप में योजनाबद्ध किया गया है जो फिल्म निर्माताओं, छात्रों, शिक्षाविदों, प्रशासकों, विकास कार्यकर्ताओं और मीडिया को एक साथ आने और वृत्तचित्र फिल्म निर्माण की कलात्मक शैली की सराहना करने के लिए एकत्रित करता है। जागरूकता, प्रशंसा और कार्रवाई को बढ़ावा देते हुए, प्रकृति महोत्सव समानता, नैतिकता, पारिस्थितिकी और स्वच्छता के शैक्षिक पहलुओं पर काम करने वाले लोगों के व्यापक गठबंधन की दिशा में एक कदम है। सीईसी के ज्वाइंट डायरेक्टर और प्रकृति फिल्म फेस्टिवल के कोर्डिनेटर डॉ. सुनील मेहरू ने कहा कि, इस वर्ष प्रकृति इंटरनेशनल डॉक्यूमेंट्री फिल्म फेस्टिवल के लिए कुल 68 प्रविष्टियां प्राप्त हुईं। इनमें म्यांमार, फिलीपींस और बांग्लादेश जैसे दक्षिण पूर्व एशियाई देशों से आई प्रविष्टियां शामिल रही। सीईसी सक्रिय रूप से विभिन्न सामाजिक विषयों पर आईसीटी-आधारित पर्यावरण निर्माण को बढ़ावा देने के लिए प्रकृति अंतर्राष्ट्रीय वृत्तचित्र फिल्म महोत्सव का आयोजन करता है ताकि अपने शिक्षार्थियों को सीखने में समरूपता खोजने और रुचि के कई विषयों/विषयों की समझ विकसित करके समग्र रूप से विकसित करने में मदद मिल सके। डॉ. मेहरू ने बताया कि 16वें प्रकृति डॉक्यूमेंट्री फिल्म फेस्टिवल में डवलपमेंट कैटेगरी में बानी प्रकाश दास की *अधिकार के लिए लड़ो*', एनवॉयरमेंट कैटेगरी में पी. रघुपति की *रीचिंग द अनरीच्ड*, स्वच्छ भारत कैटेगरी में साजिद नादुथोडी की रेज्ड ऑफ रिदम्स और हयूमन राइटस कैटेगरी में प्रकाश काटरे की *ग्रीन मैन* को बेस्ट अवॉर्डेड डॉक्यूमेंट्री के लिए चयनित किया गया है। इसके अतिरिक्त ज्यूरी ने 9 डॉक्यूमेंट्री को स्क्रीनिंग के लिए चुना है।

यूपी सीएम से महाकुंभ में राजस्थान पैवेलियन के लिए भूखंड आवंटन का किया अनुरोध

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार प्रदेश की जनता की धार्मिक आस्था और आध्यात्मिक परंपरा के संरक्षण के लिए कृतसंकल्पित है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से प्रेरणा लेकर राज्य सरकार आस्था धामों के विकास और वरिष्ठ जनों को तीर्थ यात्रा करवाने जैसे कार्य कर रही है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने संवेदनशीलता दिखाते हुए अगले साल 13 जनवरी से 26 फरवरी 2025 तक उत्तरप्रदेश के प्रयागराज के संगम तट पर आयोजित होने वाले महाकुंभ में राजस्थान के श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सार्थक पहल की है। ार्मा ने उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर कुंभ मेला स्थल के निकट राजस्थान का एक पैवेलियन स्थापित करने के लिए भूखंड आवंटित करने का आग्रह किया है। ये पैवेलियन स्थापित होने से राजस्थान के लाखों श्रद्धालुओं के विश्राम, जलपान

तथा चिकित्सा सहित अन्य व्यवस्था सुनिश्चित हो सकेगी। मुख्यमंत्री ने अपने पत्र में आशा व्यक्त की कि उत्तरप्रदेश सरकार का सहयोग राजस्थान के श्रद्धालुओं के महाकुंभ के अनुभव को बेहतर बनाने के साथ ही देश की सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक परंपरा को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा।

झुंझुनू में ईडी की छापेमारी में करोड़ों की क्रिप्टो करेंसी बरामद

झुंझुनू (हिंस)। राजस्थान में झुंझुनू जिले के जोखड़ा गांव में 6 दिन पहले लगभग 17 घंटे तक जितेन्द्र कस्वां के घर पर ईडी के द्वारा की गई छापेमारी का खुलासा कर दिया गया है। टीम ने पीपीवाईवाईएल एप्प के मामले को लेकर कार्रवाई की थी। 28 से 30 नवंबर तक दिल्ली, गुरुग्राम, जोधपुर, झुंझुनू, हैदराबाद, पुणे और कोलकाता में 13 जगह छापेमारी की कार्रवाई की गई थी। तलाशी अभियान के दौरान ईडी को 47 लाख रुपए की अस्पष्टीकृत नकदी, विभिन्न आपत्तिजनक दस्तावेज, चेक बुक, एटीएम कार्ड, पैन कार्ड, डिजिटल हस्ताक्षर और ट्रस्ट वॉलेट सीक्रेट वाक्यांश बरामद किए गए और उन्हें जब्त कर लिया गया। इसके अलावा निजी वॉलेट से 1.36 करोड़ रुपए मूल्य की क्रिप्टो मुद्रा भी जब्त की गई जिसके बाद इस गोरखधंधे में इस्तेमाल हो रहे बैंक खातों को फ्रीज कर दिया गया। दरअसल ईडी ने रुपए की साइबर धोखाधड़ी के संबंध में सीबीआई, आर्थिक अपराध शाखा, दिल्ली द्वारा दर्ज दो एफआईआर के आधार पर जांच शुरू की थी। बताया जा रहा है कि इस पूरे घोटाले में शामिल लोगों ने सट्टेबाजी, जुआ, अंशकालिक नौकरियों और फिशिंग घोटालों आदि के माध्यम से करोड़ों रुपए कमाए हैं। एफआईआर में बताया गया है कि जालसाजों ने 5000 से अधिक भारतीय बैंक खातों के माध्यम से पैसे निकाले और बाद में इसे संयुक्त अरब अमीरात स्थित भुगतान प्लेटफॉर्म *पीवाईवाईपीएल* पर अपलोड कर दिया। साइबर धोखाधड़ी के पैसे का एक हिस्सा मास्टरध्वीजा इंडियन बैंक एटीएम कार्ड के माध्यम से दुबई में नकद में निकाला गया था। ईडी ने सैकड़ों बैंक खातों में डेबिट, क्रेडिट लेनदेन और क्रिप्टो करेंसी की खरीद का विवरण देने वाले 2000 से अधिक दस्तावेज बरामद किए गए हैं।

मैं ऐसे छुरा नहीं घोंपता जैसे दौसा में घोंपा गया : किरोड़ी लाल

जयपुर (हिंस)। राजस्थान में एसआई भर्ती परीक्षा पेपर लीक मामले को लेकर घमासान मचा हुआ है। मंगलवार रत उप निरीक्षक परीक्षा रद्द करवाने की मांग कर रहे छात्र-छात्राओं को रोकने के लिए पुलिस ने उनके घरों पर दबिश दी। इस दौरान किरोड़ी लाल मीणा ने मौके पर पहुंचकर पुलिस की कार्रवाई को लेकर नाराजगी जताई। पुलिस की कार्रवाई से नाराज किरोड़ीलाल मीणा बुधवार को इन युवाओं को लेकर गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म के घर पहुंचे। इसके बाद उन्होंने प्रेस कांफ्रेंस कर पुलिस पर कई सवाल उठाए। इस दौरान कैबिनेट मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने दौसा में हार का भी जिक्र किया। उन्होंने अपने भाई की हार पर छुरा घोंपने का भी आरोप लगाया। मंत्री किरोड़ीलाल ने गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम के आवास पर प्रेसवार्ता में महेश नगर सीआई कविता शर्मा की नौकरी पर ही सवाल खड़े किए। मीणा ने कहा कि कविता शर्मा की नौकरी फर्जी तरीके से लगी है, उन्हें गिरफ्तार किया जाना चाहिए। वो खिलाड़ी नहीं है फिर भी खेल कोटे से नौकरी हासिल की है, उस पर एफआईआर होनी चाहिए। डीसीपी संजीव जैन ने इसकी जांच की थी। इसके खिलाफ मुकदमा दर्ज है, मुकदमा नंबर भी बताया है।

अनुभव प्रमाण पत्र में छूट दिलाने की मांग सफाई कर्मचारियों की भूख हड़ताल

जोधपुर (हिंस)। अखिल भारतीय वाल्मीकि महासभा एवं वाल्मीकि समाज द्वारा सफाई कर्मचारी भर्ती में अनुभव प्रमाण पत्र में छूट दिलाने की मांग को लेकर भूख हड़ताल शुरू की गई है। सफाई कर्मचारी नेता नरेश कंडारा ने बताया कि वर्तमान में सफाई कर्मचारी भर्ती 2024 में अनुभव प्रमाण पत्र की जो शर्त व नियम बनाए गए है उससे संपूर्ण वाल्मीकि समाज में भारी रोष है। सफाई का कार्य मूल रूप से वाल्मीकि समाज का कार्य है। सफाई कर्मचारी भर्ती में अनुभव प्रमाण पत्र में छूट दिलाने की मांग को लेकर यह भूख हड़ताल की जा रही है।

अजब मामला : भैंस के मालिकाना हक के लिए भैंस के बच्चों को लाया गया थाने

जोधपुर (हिंस)। बनाड़ थाना क्षेत्र में एक अजीब मामला सामने आया। भैंस बनाड़ थाने में बंद रही, मगर मालिक ने कहा कि यह भैंस उसकी है। पुलिस ने विश्वास के लिए भैंस के बच्चो को थाने बुलाया और दूध पिलाने के लिए मालिक को कहा। जब भैंस के बच्चों ने दूध पीया तो पुलिस को विश्वास हुआ। हालांकि इस बारे में कोई मामला दर्ज नहीं हुआ है, बाद में भैंस को उसके मालिक के सुपुर्द कर दिया गया। घटना 30 नवंबर की है। अब यह मामला सामने आया है। बनाड़ थाना के एएसआई सुभाष विश्नोई ने बताया कि 30 नवंबर को वे बनाड़ हाईवे पर रात को टीम के साथ गश्त कर रहे थे। इस दौरान मोहम्मद शरीफ तीन भैंसों को गाड़ी में ले जाता हुआ दिखाई दिया। पुलिस को शक होने पर उसे रोककर इन भैंसों के बारे में पूछा लेकिन वह जवाब नहीं दे पाया। इस पर टीम तीनों भैंसों को थाने लेकर आ गई और वहां बांध दिया। मोहम्मद शरीफ को अगले दिन नाम, पते और अन्य डॉक्युमेंट लेकर अगले दिन थाने में बुलाया। दोपहर तक जब कोई नहीं आया तो पुलिस ने इसका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर शेयर किया। इस वीडियो में पुलिस ने बताया कि थाने में ये तीन भैंस बंधी हुई है, जिसकी भी है वह इसे ले जाए। लेकिन, रविवार को पूरे दिन कोई भी इन भैंसों को लेने कोई नहीं आया। दो दिसंबर को मोहम्मद शरीफ थाने पहुंचा और खुद की भैंस होने का दावा करने लगा। इस पर पुलिस को ही थोड़ा शक हुआ कि जिसकी गाड़ी से भैंस पकड़ी वह अब कैसे मालिकाना हक जता रहा है। बनाड़ थानाधिकारी प्रेमदान रतनू ने बताया कि मोहम्मद शरीफ का कहना था- उसका उदयमंदिर के गुजरावास में बाड़ा बना हुआ है। उसकी भैंस के बच्चे उसके घर पर बंधे हुए है। वह रात में अपनी भैंसों को अपने घर ले जा रहा था। भैंस सही मालिक तक पहुंचे इसके लिए उसे बोला गया कि इनके बच्चों को लेकर आए। सोमवार दोपहर तक मोहम्मद शरीफ भैंसों के बच्चों को लेकर थाने आया। यहां जैसे ही उसने बच्चों को छोड़ा वे अपनी मां के पास दूध पीने के लिए दौड़ गए। इस पर पुलिस को भी विश्वास हो गया कि ये भैंस मोहम्मद शरीफ की है। पुलिस चाहती थी कि भैंस अपने मालिक तक पहुंचे यही उद्देश्य था।

आजमगढ़ में स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती ने बांग्लादेश में हिंदुओं के लिए अलग राष्ट्र की मांग की

55 लाख की आबादी पर यहूदियों के लिए देश तो एक करोड़ 20 लाख पर क्यों नहीं ?

आजमगढ़ (हिंस)। अगर इजराइल लाख यहूदियों के लिए अलग देश बनाया जा सकता है तो बांग्लादेश में एक करोड़ की 20 लाख की आबादी वाले हिंदुओं के लिए चटगांव वाले हिस्से को काटकर अलग देश क्यों नहीं बनाया जा सकता है। जब भारत में 23 प्रतिशत मुसलमान थे तो उन्हें देश की जमीन का 30 प्रतिशत हिस्सा देकर अलग देश दे दिया गया। अगर उन्हें अलग देश चाहिए तो वह पाकिस्तान जाने के लिए स्वतंत्र हैं। उक्त बातें अखिल भारतीय संत समिति के महामंत्री और अखाड़ा परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी जितेंद्रानंद सरस्वती ने बुधवार को आजमगढ़ के कलेक्ट्रेट पर आयोजित विरोध-प्रदर्शन के दौरान कही। उन्होंने कहा कि एक अंतर्राष्ट्रीय षडयंत्र के तहत हिन्दू जेनोसाइट लोग पूछते थे मंदिर कैसे टूटे और हिंदू मंदिरों के लिए जो आज दावा कर रहे है कि कब तोड़े थे, कैसे टूटे थे, तो जिन पीढ़ियों ने नहीं देखा, उसे बांग्लादेश में

जो हो रहा है और 90 के दशक में जो जम्मू-कश्मीर में हुआ, उससे उसके प्रश्नों का जवाब मिल जाएगा। आगे की पीढ़ी इस दंश को न झेलें, इसे लेकर आज देश के गांव-गांव में यह प्रदर्शन हो रहा है। हिंदू समाज को जगाने के लिए। पूरी दुनिया में सबसे अ ?धिक हिंदुओं की हत्या हुई है और वह हत्या है 45 करोड़ से ऊपर। तो अब इस हत्या, बलात्कार और दंश को झेलने के लिए तैयार नहीं है। हमारी मांग है कि सरकार को बांग्लादेश में हस्तक्षेप करते हुए कठौर कदम उठाने चाहिए। कठोर कदम का मतदान सैन्य कार्रवाई होती है। हम जानते हैं सरकार उदासीन नहीं है क्योंकि सरकार ने जिस तरीके से सरकार ने शेख हसीना का रेस्क्यू किया और उन्हें बचाया। अगर नहीं करती तो शेख हसीना की हत्या हो जाती। हमें सरकार से सवाल नहीं करना है बल्कि सरकार के साथ कदम ताल कर उसके फैसले पार पीछे खड़ा रहना है। सरकार को निर्णय लेने दीजिए, वह सही समय पर निर्णय लेगी। हम चाहते हैं कि अगली पीढ़ी के समक्ष यह इतिहास न दोहराया जाए। संभल की घटना पर उन्होंने कहा कि यह मुसलमानों की गुंडागर्दी है। पुलिस प्रशासन मरने के लिए नहीं है। न्यायालय के आदेश का पालन करने गए पुलिस कर्मियों पर रातोंरात पत्थर कैसे आए। आज जो राजनीतिक दल पांच-पांच लाख रुपए बांट रहे हैं। उनसे पूछा जाना चाहिए कि वह राजनीतिक दल चला रहा है या गुंडों का दल चला रहे हैं।

संदिग्ध परिस्थितियों में मां-बेटी की जलकर मौत, जांच में जुटी पुलिस

बस्ती (हिंस)। कप्तानगंज थाना क्षेत्र के सेठा गांव में मंगलवार की देर रात को सोते समय कमरे के अंदर संदिग्ध हालत में मां-बेटी की जलकर मौत हो गई। मां-बेटी ने पहले भी हत्या की आशंका जताई थी। सेठा गांव की रहने वाली गोदावरी देवी एवं उनकी पुत्री सौम्या की घर में ही जली हुई लाश देख ग्रामीणों ने कप्तानगंज पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची। क्षेत्राधिकारी कलवारी, थाना प्रभारी कप्तानगंज, क्राइम ब्रांच की टीम फोरेंसिक टीम एवं पुलिस अधीक्षक गोपाल कृष्ण चौधरी ने भी घटनास्थल का जायजा लिया। पंचायत नामा भारकर दोनों लाशों को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक गोदावरी देवी के पति अवधेश उपाध्याय की मृत्यु कैंसर से बहुत पहले हो गई है, जिनके दो पुत्र व तीन पुत्रियां हैं। बड़े बेटे का नाम करुणाकर उपाध्याय है। दूसरा बेटा राजन एवं बेटी सुधा, सरिता विवाहित हैं। सौम्या अविवाहित थी, जिसकी मृत्यु हो गई। मृतका की पुत्री सरिता ने आरोप लगाया है कि पिता की मृत्यु के पहले वसीयत को लेकर घर में झगड़ा विवाद हुआ करता

था। इसी वजह से हमारी मां और बहन को घर में ही जलाकर मार दिया गया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि मेरे द्वारा घटनास्थल का जायजा लिया गया। कुछ लोगों के ऊपर घर में जलाकर हत्या करने का नामजद आरोप है, जिनकी गिरफ्तारी के लिए एसओजी सर्विलांस और स्थानीय थाने की टीम लगा दी गई है। घटना का अनावरण अति शीघ्र किया जाएगा।

भाजपा कटिहार जिले के सातों विधानसभा सीटें जीतने के लिए तैयार : मनोज राय

कटिहार (हिंस)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) कटिहार जिले में अपनी संगठनात्मक क्षमता को मजबूत करने के लिए सभी विधानसभा क्षेत्रों में विशेष अभियान चला रही है। इस अभियान के तहत, पार्टी बूथ स्तर पर कमेटी का गठन कर रही है, जिससे वह अपने समर्थकों और कार्यकर्ताओं के साथ मजबूत संबंध बना सके। भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज राय ने कहा है कि यह अभियान पार्टी को धारदार बनाने और संगठन को मजबूत करने में मदद करेगा। उन्होंने यह भी कहा है कि भाजपा कटिहार जिले के सातों विधानसभा सीटों पर जीत हासिल करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। इस अभियान के तहत, भाजपा ने कदवा विधानसभा क्षेत्र में बूथ स्तर पर कमेटी का गठन किया है। इस अवसर पर भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रेम प्रकाश चौधरी, कदवा मंडल अध्यक्ष विपिन बिहारी शाह, दंड खुदा मंडल अध्यक्ष नरेश मंडल और चांदपुर मंडल अध्यक्ष जयप्रकाश शाह सहित कई अन्य नेता और कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले के विरुद्ध निकाला गया आक्रोश मार्च

नवादा (हिंस)। राष्ट्रीय भारतीय समाज के बैनर तले बांग्लादेश में हिंदू सिख जैन एवं बौद्धों पर हो रहे हैं आक्रमण के विरुद्ध नवादा में बुधवार को आक्रोश मार्च निकाला गया ।जिसमें सैकड़ो महिलाएं एवं पुरुष शामिल थे। जुलूस नवादा स्टेशन मैदान से इंदिरा गांधी चौक, अस्पताल रोड, गोला रोड, मेन रोड, विजय बाजार, होते भगत सिंह चौक से सीधे नवादा समाहरणालय के पास धरना में परिवर्तन हुआ ।जिसमें समाज के विभिन्न संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल, भारत विकास परिषद, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, भारतीय मजदूर संघ, विद्या भारती, आदि दर्जनों संगठनों ने शामिल होकर बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार को तत्काल बंद करने, इस्कॉन के सन्यासी चिन्मय कृष्ण दास जी को अन्यायपूर्ण कारावास से मुक्त करने, बांग्लादेश में हिंदुओं तथा अन्य सभी अल्पसंख्यकों पर इस्लामी कटर पंथियों द्वारा हमले हत्या लूट आगजनी एवं महिलाओं पर हो रहे अमानवीय अत्याचार के विरोध में तथा वर्तमान बांग्लादेश सरकार

के विरुद्ध कार्रवाई हेतु महामहिम राष्ट्रपति जी को नवादा जिलाधिकारी को एक ज्ञापन सोपा गया। धरना का मंच संचालन अभिमन्यु कुमार ने किया ।जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला प्रचार प्रमुख कवि दयानंद प्रसाद गुप्ता ने कहा कि जल्द ही बांग्लादेश सरकार पर दबाव डालते हुए भारत सरकार को शांति सेना भेजना चाहिए। विश्व हिंदू परिषद के राजकुमार गुप्ता ने कहा कि भारत में बढ़ रहे बांग्लादेशी घुसपैठियों को निकालना चाहिए। रजौली के पूर्व विधायक कन्हैया राजवंशी ने कहा कि भारत को 1971 की तरह कार्रवाई करते हुए जिहादियों को धूल चटाना चाहिए बजरंग दल के जितेंद्र कुमार जीतू ने कहा कि हम सभी हिंदुओं को जिहादियों से लोहा लेने की आवश्यकता है। भारतीय जनता पार्टी के सूर्य नारायण गुप्ता ने कहा बांग्लादेश में अल्पसंख्यक को पर हो रहे अत्याचार बड़ी ही निंदनीय है। इस इस कार्यक्रम के उपरांत 5 सदस्य टीम ने जिलाधिकारी महोदय को महामहिम राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन सोपा गया। इस कार्यक्रम में राष्ट्र सेविका समिति के पिंकी बरनवाल अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के सुजय कुमार भारतीय जनता पार्टी के जितेंद्र पासवान, शिवनारायण पंकज नारायण, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह जिला संचालक रंजीत कुमार संजय कुमार मुन्ना आदि उपस्थित थे

एसएफसी एनवायरनमेंटल टेक्नोलॉजीज ने आईपीओ के लिए डीआरएचपी किया दाखिल

मुंबई/नई दिल्ली

एसएफसी एनवायरनमेंटल टेक्नोलॉजीज लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने के लिए पूंजी बाजार नियामक प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के समक्ष अपना ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। कंपनी की योजना इस आईपीओ के जरिए 37 करोड़ रुपये जुटाने की है।

सेबी के पास जमा दस्तावेज के मुताबिक कंपनी इस आईपीओ के जरिए 185 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी करेगी। 1.08 करोड़ शेयरों की बिक्री ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के जरिए की जाएगी। इसके साथ ही ओएफएस के हिस्से के रूप में प्रमोटर साकेत चंद्र सिंह प्रताप सिंह ढंडोरिया और संदीप सुधाकर असोलकर सहित मौजूदा शेयरधारक अपने शेयर बेचेंगे। एसएफसी एनवायरनमेंटल टेक्नोलॉजीज में प्रमोटर्स की हिस्सेदारी 48.17 फीसदी है, जबकि शेष 51.83 फीसदी शेयर पब्लिक शेयरहोल्डर्स के पास हैं। कंपनी इस आईपीओ के तहत फ्रेश इश्यू से होने वाली आय का इस्तेमाल मुख्य रूप से कर्ज चुकाने और वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने के लिए करेगी। इस इश्यू के लिए आईआईएफएल कैपिटल सर्विसेज, जेएम फाइनेंशियल और नुवामा वेल्थ मैनेजमेंट को बुक रनिंग लीड मैनेजर नियुक्त किया गया है। सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) के साथ-साथ कंपनी के पास वेस्ट-वाटर ट्रीटमेंट सेगमेंट में 621 इंस्टॉलेशन है। कंपनी भारत में एक प्रमुख वेस्ट-वाटर ट्रीटमेंट मेथड सीक्वेंसिंग बैच रिएक्टर (एसबीआर) टेक्नोलॉजी में 80 फीसदी से ज्यादा बाजार हिस्सेदारी रखती है। इसके अलावा ये कस्टमर्स को ऑपरेशन और मेंटेनेंस सर्विसेज और अन्य संबंधित एक्सेसरीज भी प्रोवाइड करती है।

न्यूज ब्रीफ

आरबीआई की एमपीसी बैठक शुरू, छह दिसंबर को होगा फैसलों का ऐलान

मुंबई/नई दिल्ली। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की समीक्षा बैठक बुधवार को मुंबई में शुरू हो गई है। तीन दिनों तक चलने वाली बैठक में इस बार भी नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट में बदलाव की संभावना कम है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता में छह सदस्यीय एमपीसी की बैठक 6 दिसंबर तक चलेगी। आरबीआई गवर्नर 6 दिसंबर को नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट की घोषणा करेंगे। विशेषज्ञों का मानना है कि आरबीआई एमपीसी की समीक्षा बैठक में नीतिगत ब्यावज दर रेपो रेट को एक बार फिर अपरिवर्तित रख सकता है। दरअसल, केंद्रीय बैंक के पास इस बार बहुत कम विकल्प होंगे, क्योंकि खुदरा महंगाई दर छह फीसदी से ऊपर है। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में सकल घरेलू उत्पाद जीडीपी ग्रोथ 5.4 फीसदी की दर से बढ़ी है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने फरवरी, 2023 से नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट को 6.5 फीसदी पर बरकरार रखा है। कोरोना महामारी से पहले 6 फरवरी, 2020 को रेपो रेट 5.15 फीसदी पर था।

ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली। ग्लोबल मार्केट से लगातार दूसरे दिन मजबूती के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान बढ़त के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स भी तेजी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान खरीदारी का जोर बना रहा। हालांकि एशियाई बाजार में मिला-जुला कारोबार हो रहा है। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान मजबूती बनी रही, जिसके कारण एसएंडपी 500 इंडेक्स साल 2024 में 55वीं बार मजबूती का नया रिकॉर्ड बना कर बंद हुआ। एसएंडपी 500 इंडेक्स ने 0.05 प्रतिशत की तेजी के साथ 6,050.35 अंक के स्तर पर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसी तरह नैस्डेक भी 0.39 प्रतिशत उछल कर मजबूती का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 19,480.32 अंक के स्तर पर बंद हुआ। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 124.02 अंक यानी 0.28 प्रतिशत की बढ़त के साथ 44,828.55 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। अमेरिकी बाजार की तरह यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। एफटीएसई इंडेक्स 0.56 प्रतिशत उछल कर 8,359.41 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 0.26 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,255.42 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 0.42 प्रतिशत की मजबूती के साथ 20,016.75 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 6 के सूचकांक बढ़त के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 3 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। कोस्पी इंडेक्स में बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। फिलहाल ये सूचकांक 1.76 प्रतिशत टूट कर 2,455.99 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.18 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 1,452.15 अंक तक पहुंच गया है। इसके अलावा शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.07 प्रतिशत फिसल कर 3,376.41 अंक के स्तर तक गिर गया है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.40 प्रतिशत की तेजी के साथ 24,630.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.39 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,800.72 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स ने बड़ी छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 108.81 अंक यानी 1.51 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,304.83 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसके अलावा ताईवान वेटेड इंडेक्स 0.43 प्रतिशत की मजबूती के साथ 23,126.16 अंक के स्तर पर, हैंग सेंग इंडेक्स 0.08 प्रतिशत की बढ़त के साथ 19,762.80 अंक के स्तर पर और निक्केई इंडेक्स 0.02 प्रतिशत की सांकेतिक तेजी के साथ 39,256.59 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।सीमेंट की कीमत पांच साल के निचले स्तर पर भविष्य में भी किसी महत्वपूर्ण मूल्य वृद्धि की उम्मीद नहीं मुंबई (ईएमएस)। सीमेंट की कीमतों में गिरावट से खुशखबरी मिली है क्योंकि यह सभी उम्मीदवारों के लिए आकर्षक है, जो अपने सपनों के घर की नींव रखने की सोच रहे हैं।

लिस्टिंग के जरिए 2 कंपनियों की स्टॉक मार्केट में दस्तक, एपेक्स इकोटेक ने कराया जोरदार मुनाफा

नई दिल्ली

घरेलू शेयर बाजार में बुधवार को दो कंपनियों ने लिस्टिंग के जरिए दस्तक दी। इनमें से एपेक्स इकोटेक के शेयरों ने अपने आईपीओ निवेशकों को लिस्टिंग के तुरंत बाद लगभग डबल का मुनाफा करा दिया। इसी तरह आभा पावर एंड स्टील का आईपीओ लिस्टिंग के बाद मामूली बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। वॉटर ट्रीटमेंट से जुड़ी सर्विस मुहैया कराने वाली कंपनी एपेक्स इकोटेक के शेयरों की नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर जोरदार एंट्री हुई। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 73 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे, लेकिन इसकी लिस्टिंग 90 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 138.70 रुपये के स्तर पर हुई। लिस्टिंग के बाद खरीदारी के सपोर्ट से थोड़ी देर में ही ये शेयर 145.60 रुपये के अपर सर्किट लेवल पर पहुंच गया। इस तरह पहले दिन ही कंपनी के आईपीओ निवेशकों का पैसा लगभग डबल हो गया।

एपेक्स इकोटेक का 25.54 करोड़ रुपये का आईपीओ 27 से 29 नवंबर तक सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 457.07 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए आरक्षित हिस्सा 136.69 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए आरक्षित हिस्से में 1,179.62 गुना सब्सक्रिप्शन आया था, जबकि रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 329.65 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 34,99,200 ने शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरत को पूरा करने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी।

ही रेलवे इंडस्ट्री के लिए उत्पाद तैयार करने वाली कंपनी आभा पावर इंडस्ट्री के शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एसएमई प्लेटफॉर्म पर लिस्ट हुए। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 75 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। इनकी लिस्टिंग 9.20 प्रतिशत प्रीमियम के साथ 81.90 रुपये के स्तर पर हुई। हालांकि लिस्टिंग के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से इस शेयर में गिरावट आ गई। दोपहर 1 बजे ये शेयर 1.10 रुपये की मजबूती के साथ 76.10 रुपये के स्तर पर कारोबार कर रहा था।

आभा पावर का 38.54 करोड़ रुपये का आईपीओ 27 से 29 नवंबर तक सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को भी निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था। इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले 10 लाख शेयर ऑफर फॉर सेल विंडो के तहत बेचे गए हैं, जबकि 31.04 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ के जरिए जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी अपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरत को पूरा करने, मैन्युफैक्चरिंग फैसेलिटीज को अपग्रेड करने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों में करेगी।

तीन दिनों की कमजोरी के बाद महंगा हुआ सोना, चांदी के दाम में बदलाव नहीं

नई दिल्ली

लगातार तीन दिनों की गिरावट के बाद घरेलू सर्राफा बाजार में सोने के भाव में तेजी का रुख नजर आ रहा है। सोना 400 रुपये से 4300 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हुआ है। इस तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 77,930 रुपये से लेकर 77,780 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 71,450 रुपये से लेकर 71,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बना हुआ है। चांदी के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है। इस वजह से दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत भी 91,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 77,930 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 71,450 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 77,780 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 77,830 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 71,350 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 77,780 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 71,300 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 77,780 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 77,930 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 71,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 77,830 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 71,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 77,930 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 71,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

सीमेंट की कीमत पांच साल के निचले स्तर पर, भविष्य में भी किसी महत्वपूर्ण मूल्य वृद्धि की उम्मीद नहीं

मुंबई

सीमेंट की कीमतों में गिरावट से खुशखबरी मिली है क्योंकि यह सभी उम्मीदवारों के लिए आकर्षक है, जो अपने सपनों के घर की नींव रखने की सोच रहे हैं। सीमेंट सेक्टर में तेज प्रतिस्पर्धा से कंपनियों के बीच मूल्य घटाने की चुनौती देने वाली है। पिछले पांच साल के निचले स्तर पर पहुंचने से यह बड़ी कामयाबी है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि मांग में कमी के कारण सीमेंट की कीमतों में तेजी से बढ़ोतरी हुई है, जो कंपनियों के लिए मूल्य निर्धारण में चुनौती बना रही है। इसे स्थिति भविष्य में भी बनी रहने की संभावना है, और किसी महत्वपूर्ण मूल्य वृद्धि की उम्मीद नहीं है। रिपोर्टे के अनुसार वित्तीय वर्ष 25-26 तक मांग में सुधार की संभावना है, जो इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं, आवास मांग में पुनरुद्धार और रियल एस्टेट गतिविधियों से प्रेरित होगी।

यह सीमेंट उद्योग के लिए बड़ी खुशखबरी है जिससे डिमांड-सप्लाई के बैलेंस में सुधार होगा। सीमेंट उद्योग की क्षमता में वृद्धि की उम्मीद है, जो वित्त वर्ष 25 और वित्त वर्ष 30 के बीच लगभग 90 मिलियन टन सीमेंट क्षमता जोड़ने की संभावना है। वित्त वर्ष 27 और वित्त वर्ष 28 तक क्षमता चाहे 703 मिलियन टन और 723 मिलियन टन तक पहुंच सकती है। इस पूरे सेक्टर में सीमेंट की कीमतों में गिरावट और उद्योग की क्षमता में वृद्धि के अनुसार लोगों के लिए अपने सपनों के घर की निर्माण में नए आसानियां खुली है।

मिनीरत्न कंपनी मॉयल ने नवंबर में 1.63 लाख टन मैंगनीज अयस्क का किया उत्पादन

नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र की मिनीरत्न कंपनी मॉयल लिमिटेड ने नवंबर, 2024 में 1.63 लाख टन मैंगनीज अयस्क का उत्पादन किया है, जो स्थापना के बाद से नवंबर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। चालू वित्त वर्ष 202425 के पहले आठ महीनों के दौरान कंपनी ने 11.80 लाख टन उत्पादन किया है, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि (सीपीएलवाई) की तुलना में 8.46 फीसदी अधिक है।

इस्पात मंत्रालय ने बुधवार को जारी एक बयान में कहा कि बिक्री के मोर्चे पर भी कंपनी ने नवंबर में 1.33 लाख टन की अब तक की सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 32 फीसदी अधिक है। मंत्रालय के मुताबिक वित्त वर्ष 2024-25 के पहले आठ महीनों के दौरान कंपनी ने 9.90 लाख टन की बिक्री की है, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि से 4.76 फीसदी अधिक है। कंपनी ने कहा कि चालू वित्त वर्ष 2024-25 के 8 महीनों के भीतर मॉयल

लिमिटेड ने एक हजार करोड़ रुपये का कारोबार के आंकड़ा पार कर लिया है, जो पिछले वित्त वर्ष की तुलना में एक महीने पहले ही हासिल किया गया है। इसी तरह अन्वेषण पर अत्यधिक जोर देते हुए मॉयल लिमिटेड ने अप्रैल-नवंबर, 2024 के दौरान 63,654 मीटर की अन्वेषणात्मक कोर ड्रिलिंग की है, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 1.28 गुना अधिक है।

कर नोटिस जारी करते समय राजस्व से पहले अर्थव्यवस्था के हित का रखें ध्यान: राजस्व सचिव

नई दिल्ली

राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा ने बुधवार को यहां राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) के अधिकारियों से कहा कि वे तस्करी गिरोहों के सरगना को पकड़ें, लेकिन वाणिज्यिक धोखाधड़ी के मामलों में बड़े व्यापारियों के खिलाफ नोटिस जारी करने से पहले अर्थव्यवस्था के हित को भी ध्यान में रखें।

संजय मल्होत्रा ने नई दिल्ली में राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) के 67वें स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। राजस्व सचिव ने कहा कि विभाग के लिए प्रौद्योगिकी बदलाव के अनुरूप कौशल तथा कार्यबल को उन्नत करना महत्वपूर्ण है। उन्होंने अधिकारियों से आग्रह किया कि वे सरगनाओं एवं आकाओं पर ध्यान केंद्रित करें और तस्करी गिरोहों का भंडाफोड़ करें।

राजस्व सचिव ने अधिकारियों से कहा कि संभावित वाणिज्यिक धोखाधड़ी के मामलों में शामिल व्यापारियों या व्यवसायों के खिलाफ कार्रवाई करते समय ''बेहद सतर्क'' रहने की जरूरत होगी। उन्होंने कहा कि कुछ वस्तुओं पर समूचे उद्योग में कुछ कर मांगें तथा वर्गीकरण विवाद तकनीकी प्रकृति के हो सकते हैं, जिसके कारण बहुत अधिक डिमांड नोटिस जारी किए जाते हैं।

वहीं, सीबीआईसी के अध्यक्ष संजय कुमार अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा कि के डिजिटल युग में वित्तीय अपराधों की जटिलता कई गुना बढ़ गई है। उन्होंने बताया कि तस्करों और अपराधियों ने पता लगाने से बचने के लिए तकनीक का लाभ उठाते हुए परिष्कृत तरीके अपनाए हैं। डीआरआई ने इन खतरों का मुकाबला करने के लिए ब्लॉकचेन तकनीक जैसे क्षेत्रों में कौशल वृद्धि और अत्याधुनिक उपकरणों को अपनाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए तेजी से अनुकूलन किया है।

इससे पहले राजस्व सचिव संजय मल्होत्रा ने केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के अध्यक्ष संजय कुमार अग्रवाल के साथ मिलकर भारत में तस्करी रिपोर्ट 2023-24 और अप्रैल से 24 सितंबर तक के डीआरआई बुलेटिन का अनावरण किया है, जिसमें संगठित तस्करी के रुझान, वाणिज्यिक धोखाधड़ी और अंतरराष्ट्रीय प्रवर्तन संचालन और सहयोग का विश्लेषण किया गया है।

उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग के केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के तहत राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) देश में तस्करी विरोधी क्षेत्र में भारतीय सीमा शुल्क की शीर्ष एजेंसी है। वित्त वर्ष 2023-24 में माल के गलत वर्गीकरण तथा गलत घोषणा के जरिए 10 हजार करोड़ रुपये मूल्य की शुल्क चोरी का पता लगा था।

सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन में बतौर निदेशक शामिल हुईं सारा

नई दिल्ली

महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन (एसटीएफ) में निदेशक के रूप में शामिल हो गई हैं। सचिन ने बुधवार को एक्स पर एक पोस्ट के जरिए उक्त जानकारी दी।

सचिन ने कहा कि उन्हें यह खबर साझा करते हुए बहुत खुशी हो रही है। सचिन ने कहा कि सारा ने खेल, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा के माध्यम से देश को सशक्त बनाने के लिए यह यात्रा शुरू की है।

उन्होंने कहा, मुझे यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि मेरी बेटी सारा निदेशक के रूप में एसटीएफ इंडिया में शामिल हो गई हैं। उनके पास यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन से क्लिनिकल और पब्लिक हेल्थ न्यूट्रिशन में मास्टर डिग्री है। वह खेल, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा के माध्यम से भारत को सशक्त बनाने की यात्रा पर निकल पड़ी हैं। यह एक अनुस्मारक के रूप में कार्य करती है कि कैसे वैश्विक शिक्षा पूर्ण चक्र में आ सकती है।

अपने शानदार करियर के दौरान, सचिन ने 664 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में 48.52 की औसत से 34,357 रन बनाए। सचिन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक 100 शतक और 164 अर्धशतक बनाए हैं। वह शतकों का शतक लगाने वाले एकमात्र खिलाड़ी हैं।

स्टोक्स आईसीसी पर भड़के स्टोक्स

लंदन । इंग्लैंड क्रिकेट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स ने न्यूजीलैंड के खिलाफ हुए मैच में धीमी ओवर गति के लिए लगाये जुर्माने पर नाराजगी जतायी है। आईसीसी ने इस मैच में धीमी ओवर गति के लिए दोनो ही टीमों पर ये जुर्माना लगाया। इससे दोनो को ही अंकों का नुकसान हुआ है और इंग्लैंड की टीम टेस्ट मैच जीतने के बाद भी आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल की रैस से बाहर हो गयी है। इस मुकाबले में धीमी ओवर गति के लिए आईसीसी ने दोनो ही टीमों के अंक भी काटे हैं। आईसीसी के इस फैसले से नाराज स्टोक्स ने सोशल मीडिया के जरिये आईसीसी पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि खेल 10 घंटे पहले खत्म हो गया, फिर भी धीमी ओवर गति के लिए जुर्माना लगाया गया है। स्टोक्स ने सोशम मीडिया में अपनी पोस्ट में इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के अंक काटे जाने की खबर के साथ लिखा , बहुत अच्छे आईसीसी। खेल खत्म हुआ, अभी 10 घंटे का खेल बाकी था। फिर भी धीमी ओवर गति का जुर्माना लगा दिया। वहीं विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप 2023-25 के चक्र में अब तक इंग्लैंड के 22 अंक काट दिए गए हैं। जिसका मतलब ये है कि उसने करीब दो मैच जीतने के बराबर अंक खोये हैं। इसमें एक मैच जीतने पर 12 अंक मिलते हैं।

न्यूज ब्रीफ

टीम स्क्वैश चैंपियनशिप के लिए 8 सदस्यीय भारतीय टीम घोषित

नई दिल्ली। हांगकांग, चीन में 9 से 15 दिसंबर तक होने वाले डब्ल्यूएसएफ विश्व टीम स्क्वैश चैंपियनशिप में भारत आठ सदस्यीय टीम (पुरुष और महिला) भेजेगा। स्क्वैश इतिहास में पहली बार, पुरुषों और महिलाओं की स्पर्धाएँ एक साथ आयोजित की जाएंगी, जिसमें महिलाओं की स्पर्धा में 23 टीमें और पुरुषों की स्पर्धा में 26 टीमें शामिल होंगी। 9/12 वरीयता प्राप्त भारतीय पुरुष टीम पूल एफ में कोलंबिया और आयरलैंड के साथ प्रतिस्पर्धा करेगी। 10/12 वरीयता प्राप्त भारतीय महिला टीम को अपने पूल में कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा, जिसमें बेल्जियम (तीसरी वरीयता), कोलंबिया और इटली शामिल हैं। पूर्व एशियाई खेलों के पदक विजेता और राष्ट्रीय चैंपियन हरिंदर पाल सिंह संधू और जोशना चिनप्पा क्रमशः पुरुष और महिला टीमों के कोच होंगे। संयोग से, 19 बार की राष्ट्रीय चैंपियन जोशना के लिए यह पहला कोचिंग असाइनमेंट होगा। भारतीय टीम इस प्रकार है: पुरुष: अभय सिंह, वेलावन सेंथिलकुमार, वीर चोटरानी, सूरज चंद। महिला: अनाहत सिंह, आकांक्षा सालुंखे, निरुपमा दुबे, अंजलि सेमवाल।

एशियाई महिला हैंडबॉल चैंपियनशिप: भावना, मेनिका का शानदार प्रदर्शन, भारत ने हांगकांग को हराया

नई दिल्ली। भारतीय महिला हैंडबॉल टीम ने भावना शर्मा और मेनिका के शानदार प्रदर्शन की बदौलत मंगलवार को हांगकांग के खिलाफ 31-28 से जीत के साथ 20वीं एशियाई महिला हैंडबॉल चैंपियनशिप (एडब्ल्यूएचसी) 2024 में अपने अभियान की शुरूआत की। चक दे इंडिया और भारत माता की जय के नारों के बीच भारत ने मैच की सकारात्मक शुरुआत की और टूर्नामेंट का अपना पहला गोल प्रियंका ठाकुर के जरिए किया, जिन्होंने 2022 एशियाई महिला जूनियर हैंडबॉल चैंपियनशिप में भारत की ऐतिहासिक जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। कुछ क्षण बाद, अनुभवी खिलाड़ी मेनिका ने अपना खाता खोला और भारत को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। सैफ खेलों की स्वर्ण पदक विजेता कप्तान दीक्षा कुमारी ने पहले 30 मिनट की अवधि के भीतर तीन विपक्षी पेनल्टी रोककर इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिससे मध्यांतर तक भारत 16-10 से आगे रहा। हांगकांग ने पुनः आरंभ के बाद अपने खेल को और बेहतर बनाया और अपनी रणनीति में बदलाव किया। हालांकि, भारत ने अपने मजबूत बचाव के साथ विपक्षी टीम के हर प्रयास को असफल किया और अंततः शानदार जीत दर्ज की। भावना ने जूनियर चैंपियनशिप में अपने सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार के साथ प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार भी जीता। इससे पहले, कजाकिस्तान ने हैवीवेट चीन को 28-26 से हराया। दूसरे मैच में, जापान ने सेंटरबैक काहो नाकायमा के शानदार प्रदर्शन की बदौलत ईरान को 34-14 से हराया। मौजूदा चैंपियन दक्षिण कोरिया ने दिन के आखिरी मैच में सिंगापुर 47-5 के स्कोर के साथ हराया।

स्पेनिश फुटबॉलर ज़ारागोज़ा मेटाटार्सल हड्डी टूटने के कारण एक महीने तक रहेंगे मैदान से बाहर

मैड्रिड। ओसासुना के स्पेनिश फुटबॉलर ब्रायन ज़ारागोज़ा सोमवार रात को सेविला के खिलाफ़ 1-1 से ड्रॉ हुए मैच में अपने पैर की हड्डी टूटने के बाद 2025 की शुरुआत तक फिर से नहीं खेल पाएंगे। नवारे क्षेत्र के क्लब ओसासुना ने ज़ारागोज़ा की चोट के बारे में एक विज्ञप्ति में बताया कि उनके दाहिने पैर की पाँचवीं मेटाटार्सल हड्डी टूट गई है, मंगलवार को किए गए परीक्षणों से चोट की पुष्टि हुई। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया कि वह अपनी रिकवरी प्रक्रिया शुरू करने के लिए पैम्प्लोना लौटेंगे, लेकिन उनकी वापसी की कोई सटीक तारीख नहीं बताई गई, हालांकि यह संभावना नहीं है कि वह 2025 की शुरुआत तक खेल पाएंगे और संभवतः जनवरी के अंत तक पूरी तरह से फिट नहीं होंगे। ज़ारागोज़ा गुरुवार को सेउटा खेलने के लिए ओसासुना की कोपा डेल रे यात्रा और 2024 के अंत से पहले अलावेस, एस्पेनयोल और एथलेटिक क्लब बिलबाओ के खिलाफ ला लीगा खेलों से चूक जाएंगे। बायर्न म्यूनिख से लोन पर आए विंगर ने इस सीज़न में एक गोल और पांच असिस्ट के साथ प्रभावित किया है।

हरभजन सिंह, अभिनव बिंद्रा, गगन नारंग ने पाक के खिलाफ एशिया कप फाइनल से पहले भारतीय जूनियर हॉकी टीम को दीं शुभकामनाएं

नई दिल्ली

भारतीय हॉकी टीम पुरुष जूनियर एशिया कप फाइनल में अपने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से भिड़ने के लिए तैयार है। इस बहुप्रतीक्षित मुकाबले से पहले, अनुभवी भारतीय स्पिनर हरभजन सिंह, बीजिंग ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा और ओलंपियन गगन नारंग ने बुधवार को भारतीय टीम को शुभकामनाएं दीं और उन्हें ट्रॉफी घर वापस लाने के लिए प्रोत्साहित किया।

हरभजन सिंह ने टीम को शुभकामनाएं देते हुए एक वीडियो संदेश में कहा, भारतीय हॉकी टीम को बहुत-बहुत बधाई जो आज पाकिस्तान के खिलाफ पुरुष जूनियर एशिया कप का फाइनल खेल रही है। दोस्तों, मैं आपको मैदान पर शुभकामनाएं देना चाहता हूं, भारत के लिए इसे जीतो। मुझे यकीन है कि आप यह कर सकते हैं। आओ भारत!

ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा ने अपने संदेश में मलेशिया के खिलाफ जीत के लिए युवा खिलाड़ियों की सराहना की और उन्हें पाकिस्तान के खिलाफ फाइनल के लिए शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा, सेमीफाइनल में मलेशिया के खिलाफ अविश्वसनीय जीत के लिए हमारी भारतीय जूनियर हॉकी टीम को बहुत-बहुत बधाई। जूनियर एशिया कप फाइनल में जगह बनाना एक अद्भुत उपलब्धि है और आपने पहले ही देश को इतना गौरवान्वित कर दिया है। आज रात जब आप पाकिस्तान के खिलाफ मैदान में उतरें, तो बस याद रखें, इस पल का आनंद लें और अपनी पसंद के अनुसार खेलें।

अपने कौशल पर भरोसा करें, एक-दूसरे पर भरोसा करें और उस लड़ाई की भावना को जीवित रखें। हम सभी आपकी जय-जयकार कर रहे हैं और आपको शुभकामनाएं दे रहे हैं। वहां जाओ और मजे करो !शुभकामनाएँ और जय हिंद।

गगन नारंग ने एक्स पर लिखा,आइए हमारी भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम का उत्साह बढ़ाएं जो आज रात पुरुष हॉकी जूनियर एशिया कप के फाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से भिड़ेगी। मेरे प्रिय मित्र पीआर श्रीजेश द्वारा प्रशिक्षित भारतीय टीम, रिकॉर्ड पांच बार खिताब जीतने वाली एशिया की एकमात्र टीम बनने का इतिहास रचने से केवल एक कदम दूर है। गुड लक इंडिया!,

भारतीय टीम ने पूरे टूर्नामेंट में असाधारण प्रदर्शन किया और अपने सभी पांच मैच जीते। उनकी जीतों में थाईलैंड पर 11-0 की प्रभावशाली जीत, जापान के खिलाफ 3-2 की कड़ी जीत, चीनी ताइपे पर 16-0 की प्रभावशाली जीत और ग्रुप चरण में कोरिया के खिलाफ 8-1 की जीत शामिल है। सेमीफाइनल में भारत ने मलेशिया पर 3-1 से मजबूत जीत हासिल की और फाइनल में प्रवेश किया।

गत चैंपियन के रूप में, भारत का लक्ष्य इस उच्च जोखिम वाले फाइनल में अपने लंबे समय से प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को हराकर अपना खिताब बरकरार रखना होगा।

टीपीएल 6 पहला दिन : बोपन्ना की राजस्थान रेंजर्स और विष्णु वर्धन की हैदराबाद स्ट्राइकर्स तालिका में शीर्ष पर

मुंबई

टेनिस प्रीमियर लीग (टीपीएल) सीजन 6 के पहले दिन मुंबई के क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया में कई बेहतरीन और रोमांचक मैच खेले गए, जिसमें रोहन बोपन्ना जैसे खिलाड़ियों ने प्रशंसकों के लिए शानदार खेल दिखाया। मैच चारकोल रंग के कोर्ट पर खेले गए और मंगलवार को सभी आठ टीमों ने इसमें हिस्सा लिया। राजस्थान रेंजर्स, हैदराबाद स्ट्राइकर्स, यश मुंबई ईगल्स और चेन्नई स्मैशर्स ने टेनिस के रोमांचक दिन के अंत में शानदार जीत दर्ज की।

राजस्थान रेंजर्स और गुजरात पैंथर्स के बीच सीजन के पहले मैच में मुकाबला शुरू हुआ, जिसमें महिला एकल वर्ग में क्रिस्टीना दीनू का मुकाबला एकातेरिना काज़ियोनोवा से हुआ। क्रिस्टीना दीनू ने पहले गेम में कड़े मुकाबले में 14-11 के स्कोर के साथ जीत हासिल की। राजस्थान रेंजर्स के आर्थर फेरी ने पुरुष एकल में गुजरात पैंथर्स के सुमित नागल को इसी स्कोर (14-11) से हराया। राजस्थान रेंजर्स ने मिक्स्ड डबल्स वर्ग में अपनी जीत का सिलसिला जारी रखा, जिसमें रोहन बोपन्ना और क्रिस्टीना दीनू ने विजय सुंदर प्रशांत और एकातेरिना काज़ियोनोवा को 14-11 के स्कोर के साथ हराया। पुरुष युगल वर्ग में रोहन बोपन्ना और आर्थर फेरी की जोड़ी ने सुमित नागल और विजय सुंदर प्रशांत को 15-10 के स्कोर के साथ हराया, जिससे राजस्थान रेंजर्स ने गेम 57-43 से जीत लिया। हैदराबाद स्ट्राइकर्स और बंगाल विजार्ड्स के बीच पहले दिन दूसरा मैच खेला गया। हैरियट डार्ट और कामिला राखीमोवा ने महिला एकल वर्ग में 18-7 से जीत दर्ज की।

पुरुष एकल वर्ग में बेंजामिन लॉक ने निकी पूनाचा के खिलाफ कड़ी टक्कर दी और 16-9 के स्कोर के साथ जीत दर्ज की। मिश्रित युगल वर्ग में हैरियट डार्ट और विष्णु विनोद का मुकाबला कामिला राखीमोवा और श्रीराम बालाजी से हुआ। बंगाल विजार्ड्स ने 13-12 के स्कोर के साथ रोमांचक मुकाबला जीता। पुरुष युगल वर्ग में निकी पूनाचा और श्रीराम बालाजी ने बेंजामिन लॉक और विष्णु विनोद को 14-11 के स्कोर के साथ हराया, लेकिन हैदराबाद स्ट्राइकर्स ने 57-43 से मैच जीत लिया। दिन के तीसरे मैच में पंजाब पैट्रियट्स और यश मुंबई ईगल्स आमने-सामने थे। महिला एकल में एलिना अवनेस्यान ने ज़ेनेप सोनमेज़ के खिलाफ़ रोमांचक मुक़ाबले में 13-12 के स्कोर से जीत हासिल की। पुरुष एकल में यश मुंबई ईगल्स के करण सिंह ने पंजाब पैट्रियट्स के मुकुंद शशिकुमार के खिलाफ़ 18-7 के स्कोर से जीत दर्ज की। पंजाब पैट्रियट्स के साकेत मायनेनी और एलिना अवनेस्यान ने मिक्स्ड डबल्स श्रेणी में जीवन नेदुनचेजियान और ज़ेनेप सोनमेज़ के खिलाफ़ कड़े मुकाबले में 13-12 से जीत हासिल की।

नॉर्वे शतरंज 2025 टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए तैयार अर्जुन एरिगैसी

नई दिल्ली

पांच बार के विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद के बाद क्लासिकल शतरंज रेटिंग में 2800-एलो बाधा पार करने वाले दूसरे भारतीय बने अर्जुन एरिगैसी, नॉर्वे शतरंज 2025 टूर्नामेंट में पदार्पण करने के लिए तैयार हैं।

2024 यूरोपीय शतरंज क्लब कप में टीम अल्कलॉइड का प्रतिनिधित्व करने वाले अर्जुन ने पांचवें दौर में सफेद मोहरों से रूस के दिमित्री आंद्रेइकिन को हराकर 2800-एलो मील का पत्थर हासिल किया। दिसंबर 2024 की फीडे रेटिंग सूची में उनकी रेटिंग 2801 है और वर्तमान में वे दुनिया में चौथे स्थान पर हैं।

अपनी शैली और विकास पर अर्जुन ने एक बयान में कहा, मैं अति-महत्वाकांक्षा और वस्तुनिष्ठता की कमी के कारण खेल हार जाता था, लेकिन अब मैं अपनी महत्वाकांक्षा को संतुलित तरीके से आगे बढ़ाने का प्रयास करता हूँ। नॉर्वे शतरंज 2025 टूर्नामेंट 26 मई से 6 जून तक एक विशिष्ट 6-खिलाड़ी डबल राउंड-रॉबिन प्रारूप के साथ होगा। टूर्नामेंट के लिए उत्सुकता बढ़ने के साथ, अर्जुन ने इस आयोजन के अभिनव प्रारूप के बारे में अपना उत्साह व्यक्त किया। उन्होंने कहा, नॉर्वे शतरंज के बारे में बहुत सारी रोमांचक चीजें हैं, लेकिन मेरे लिए, मैं कहूंगा कि समय नियंत्रण और आर्मगेडन प्रारूप मेरे लिए सबसे अलग हैं।

ला लीगा: एथलेटिक बिलबाओ का सामना रियल मैड्रिड से

मैड्रिड

एथलेटिक क्लब बिलबाओ और रियल मैड्रिड बुधवार रात एथलेटिक के सैन मैम्स स्टेडियम में आमने-सामने होंगे, जिसमें एथलेटिक की नजरें क्लासिफिकेशन में चौथे स्थान को मजबूत करने पर होंगी। ऑरेलियन टचौमेनी चोट के बाद रियल मैड्रिड के लिए वापस आ गए हैं, लेकिन विनीसियस जूनियर को बाहर रखा गया है, साथ ही लंबे समय से अनुपस्थित रहने वाले दानी कार्वाजल, एडर मिलिटाओ और डेविड अलाबा को भी बाहर रखा गया है।

किलियन एमबाप्पे ने सप्ताहांत में अपने गोल के सूखे को समाप्त कर दिया, लेकिन गेटाफे के खिलाफ मौके गंवाने के बाद भी वे सुर्खियों में रहेंगे।

एथलेटिक ने रेयो वैलेकानो के खिलाफ 2-1 से जीत दर्ज कर मैड्रिड में प्रवेश किया, जिसमें दोनों गोल मिडफील्डर ओइहान सैंसेट ने किए, जिनके पिछले तीन गोलों ने उनकी टीम को छह अंक दिलाए हैं।

एथलेटिक खचाखच भरे मैदान में तेज गति बनाए रखने और मैड्रिड पर दबाव बनाने के साथ एमबाप्पे और रोड्रिगो की सर्विस को भी कम करने की कोशिश करेगा।

बुधवार को कोपा डेल रे में कई शीर्ष टीमें स्पेनिश खेल के तीसरे और चौथे स्तर के प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ मैदान में उतरेंगी। रेयो वैलेकानो का सबसे कठिन मैच तीसरे स्तर के यूनियनिस्टास डी सलामांका के खिलाफ है, जबकि खराब फॉर्म में चल रही बेटिस कैटलन की टीम सैंट आंद्रेउ के खिलाफ खेलेगी।

गिरोना लॉग्रोन्स का दौरा करेगी और विलारियल स्पेन के उत्तर-पश्चिम में पोंटेवेद्रा से भिड़ेगी, जबकि लेगानेस एस्टेपोना से और वालेंसिया एसडी एजिया से भिड़ेगी, जिसने पहले दौर में छठी श्रेणी के एस्कुएला पार्ला को कड़ी टक्कर दी थी।

पर्थ टेस्ट में जीत से टीम का आत्मविश्वास बढ़ा है : केएल राहुल

एडिलेड

भारतीय क्रिकेट टीम इस समय पांच मैचों की टेस्ट सीरीज (बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी) के लिए ऑस्ट्रेलिया दौरे पर है। सीरीज का पहला टेस्ट पर्थ में खेला जा चुका है। पहले मैच में भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया को 295 रनों से हराकर सीरीज में 1-0 से आगे है। अब 06 दिसंबर से एडिलेड में दोनों टीमों के बीच दूसरा टेस्ट (पिंक बॉल) खेला जाएगा। मैच से पहले भारतीय टीम के अनुभवी बल्लेबाज केएल राहुल ने कहा कि पर्थ टेस्ट में जीत से टीम का आत्मविश्वास बढ़ा है।

राहुल ने बुधवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि हम जिस तरह से खेले उससे वाकई बहुत खुश हैं और जब आप ऑस्ट्रेलिया जाते हैं, पहला मैच जीतते हैं और उसे उस तरह से जीतते हैं जैसा हमने पर्थ में जीता, तो इससे आपको बहुत

आत्मविश्वास मिलता है। मेरा मतलब है कि पर्थ के बारे में बहुत कुछ कहा जाता है कि यह ऑस्ट्रेलिया का सबसे तेज विकेट है और यहां आने वाली टीमों को वास्तव में यहां संघर्ष करना पड़ा है। तो हां, हमे इससे काफी आत्मविश्वास मिला है।

इस सवाल पर कि आप किस स्थान पर बल्लेबाजी करेंगे उन्होंने एक अजीब जवाब दिया। राहुल ने कहा कि मुझे तो बताया गया है, लेकिन मुझे यह भी कहा गया है कि यह किसी से साझा न करूं। आपको पहले दिन (टेस्ट के) या शायद कल (गुरुवार) कप्तान (रोहित शर्मा) के आने का इंतजार करना होगा। राहुल ने इसके बाद कहा कि मैं बस प्लेइंग इलेवन में रहना चाहता हूं और टीम के लिए बल्लेबाजी करना चाहता हूं।

राहुल ने अलग-अलग जहगों पर बल्लेबाजी को लेकर कहा कि मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि मैंने अलग-अलग जहगों पर बल्लेबाजी की है, इसलिए जब मुझे शुरू में अलग-अलग स्थानों पर बल्लेबाजी करने के लिए कहा गया तो यह मानसिक रूप से चुनौतीपूर्ण था लेकिन तकनीक के मामले में इतना नहीं। मानसिक रूप से उन पहली 20-25 गेंदों को कैसे खेलना है, मैं कौन से शॉट खेल सकता हूं, मैं कितनी जल्दी आक्रमण कर सकता हूं, मुझे कितना सतर्क रहना होगा। इसलिए ये ऐसी चीजें थीं जो शुरू में थोड़ी मुश्किल थीं, लेकिन अब जब मैं वनडे और टेस्ट क्रिकेट में खेल चुका हूं, तो इससे मुझे थोड़ा-बहुत अंदाजा हो गया है कि मुझे अपनी पारी को कैसे संभालना है और मुझे कैसे शुरुआत करनी है।

पर्थ में 295 रनों की रिकॉर्ड जीत के बाद भारत फिलहाल बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी सीरीज में 1-0 से आगे है। दूसरा टेस्ट शुक्रवार से एडिलेड में डे-नाइट फॉर्मेट में खेला जाएगा।

हेल्थ टिप्स

तनाव को दूर भगाने के लिए अपनाएं इन तरीकों को

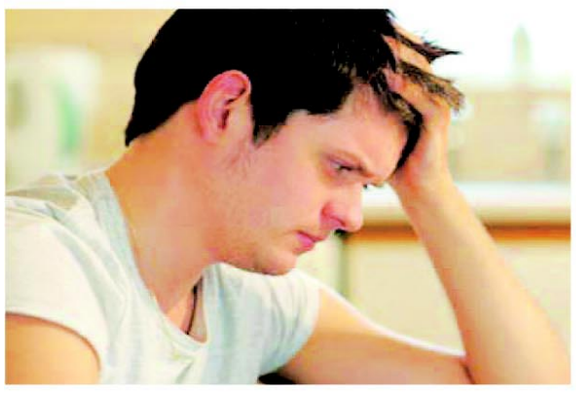

वर्तमान में न केवल महानगरों में बल्कि छोटे शहरों में भी तनाव आम बात होती जा रही है। डब्यूएचओ की मानें तो दुनियाभर में सभी उम्र वर्ग के लगभग 30 करोड़ से अधिक लोग तनाव से ग्रस्त हैं। लोगों में घट रही अक्षमता का सबसे बड़ा कारण तनाव ही है। पुरुषों की तुलना में महिलायें तनाव का शिकार अधिक हो रही हैं। आगे बढ़ने की होड़ और ज्यादातर वक्त कंप्यूटर और मोबाइल पर बिताने के कारण भी तनाव अधिक हो रहा है। दिमाग को जब पूरा आराम नहीं मिल पाता तभी तनाव होता है। चिकित्सकीय भाषा में तनाव को शरीर के होमियोस्टैसिस में गड़बड़ी माना जाता है। इस स्थिति में इंसान शारीरिक, मानसिक व मनोवैज्ञानिक रूप से कमजोर होने लगता है। तनाव के कारण एड्रीनलीन और कार्टिसोल हार्मोन का स्तर बढ़ने लगता है। तनाव धीरे-धीरे अवसाद का रूप ले लेता है, जो कि गंभीर स्थिति है। इसलिए जितनी जल्दी हो सके तनाव से छुटकारा पा लेना चाहिए। इस स्लाइडशो में आसानी से तनाव दूर करने के तरीकों के बारे में बता रहे हैं।

हरा-भरा माहौल रखें

अपने आसपास हरा-भरा वातावरण तैयार करें। इससे आपको शुद्ध हवा मिलेगी और मन को शुकून। इसके लिए हो सके तो अपने काम करने वाली जगह के आसपास कुछ पौधे लगाए। ये आपको सकारात्मक एनर्जी देंगे। घर पर भी गमले जरूर रखें और इसमें पौधे लगाए। स्वीडन में हुए एक शोध की मानें तो घर और ऑफिस का व ातावरण हरा-भरा रखने से तनाव और थकान दूर होती है।

तकनीक से दूरी

हम ये स्वीकार करते हैं कि वर्तमान में मोबाइल और इंटरनेट से दूर रहना शायद संभव नहीं है। लेकिन इससे कुछ हद तक दूरी तो बनाई जा सकती है। क्योंकि तनाव के लिए सबसे अधिक जिम्मेदार कारकों में यह भी है। इसलिए कोशिश करें कि 24 घंटे में कुछ घंटे ही मोबाइल पर बितायें।

आसपास के माहौल को निहारें

काम के बीच कुछ मिनटों का ब्रेक लेकर आपसपास की चीजों को देखें। इससे आपकी आंखों को सुकून मिलेगा और तनाव भी दूर हो जायेगा। कुछ शोधों में यह साबित हुआ है कि लगातार काम के बीच ब्रेक न दिया जाए। तो आंखों पर तनाव बढ़ता है जिससे सिरदर्द और तनाव होता है। इससे बचने के लिए काम के बीच में 20 मिनट का ब्रेक लें आसपास का माहौल निहारें।

समय पर काम पूरा करें

कामकाजी लोगों के लिए तनाव का सबसे बड़ा कारण है अधूरा काम, यानी कुछ कारणों से समय पर काम पूरा नहीं हो पाता और इससे तनाव होता है। तनाव से बचने का सबसे आसान तरीका यह भी है कि आप अपना काम समय पर पूरा करें। उस काम को करने की कोशिश न करें जो आपके बस में नहीं है। कई बार दिखावे के चक्कर में लोग अधिक काम करने की ठान लेते हैं और अधूरा रहने पर तनावग्रस्त हो जाते हैं। इससे बचने की जरूरत है।

खुद को नया लुक देने ट्राई करें ये कॉलर

ये बात तो तय है कि आप जो शर्ट पहनते हैं उसमें केवल दो तरह के कॉलर के बारे में ही आपको पता होता है। पहला कॉलर वाला शर्ट दूसरा बिना कॉलर वाला शर्ट, यानी चाइनीज कॉलर वाला शर्ट। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आप जो शर्ट पहनते हैं, उसमें कॉलर की डिजाइन भी कई तरह की होती हैं। सामान्यतया कॉलर के इन प्रकारों के बारे में खरीदार ही नहीं, बल्कि दुकानदार भी अनजान होते हैं। इस स्लाइडशो में हम शर्ट में प्रयोग किए जाने वाले कॉलर के प्रमुख प्रकारों के बारे में जानकारी दे रहे हैं।

स्प्रेड कॉलर

सामान्यतया इस प्रकार के कॉलर का प्रयोग अधिक दिखाई देता है। इसे कॉलर का सामान्य प्रकार भी मानते हैं। इसमें आगे का हिस्सा नुकीला होता है, जिससे शर्ट का लुक फॉर्मल होता है। इस तरह के कॉलर में आप किसी भी प्रकार की टाई बांध सकते हैं। इस तरह के शर्ट को आप ऑफिस, पार्टी या किसी भी कार्यक्रम में पहन सकते हैं।

एबीवीएटेड स्प्रेड कॉलर

यह खास तरह के कॉलर का प्रकार माना जाता है, क्योंकि इसे हर मौके यानी सामान्य कार्यक्रम के साथ स्पोर्ट्स एक्टिविटी में भी पहन सकते हैं। बिना टाई के यह कॉलर बेहतरीन लगती है। स्वेटर के साथ और ब्लेजर के साथ इसे पहनने से लुक और भी आकर्षक हो जाता है।

स्टैंडर्ड कॉलर

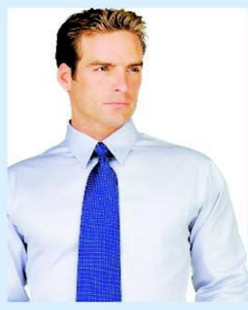

इस तरह का कॉलर भी प्रचलन में है। इसकी पट्टियां लंबी न होकर छोटी होती हैं। इसमें आप अधिक मोटी टाई नहीं पहन सकते हैं। दिखने में यह कॉलर बहुत ही आकर्षक होती है। अगर आप टाई की गांठ छोटी बनाना पसंद करते हैं, तो यह आपके लिए एक बेहतर विकल्प है। इसे बिना टाई के भी पहन सकते हैं। इसे पार्टी में या फिर दूसरे कार्यक्रम में भी पहन सकते हैं। अगर आपके चेहरे का आकार पतला या फिर गोल है, तो आपके ऊपर यह अधिक जचेंगी।

जानकारी

ठंड में बाजरा खाने से होंगे 5 फायदे

अनाज है। सर्दी के दिनों में अगर आप विशेष तौर पर बाजरा का सेवन करते हैं, तो आप पा सकते हैं सेहत के यह 5 फायदे। जानिए फायदे

- सर्दी के दिनों में बाजरा का सेवन शरीर में अंदरूनी गर्माहट बनाए रखने के लिए बेहद फायदेमंद होता है। यही कारण है कि ज्यातर लोग ठंड के मौसम में बाजरे की रोटी या अन्य व्यंजन खाना पसंद करते हैं।
- बाजरा कैल्शियम से भरपूर होता है, और आप किसी भी कैल्शियम विकल्प की जगह इसका सेवन कर सकते हैं। इन दिनों में होने वाली जोड़ों की समस्या व ऑस्टियोपोरासिस में यह बेहद लाभकारी है।
- चूंकि सर्दी में भूख अधिक लगती है और आप इन दिनों में कई तरह के व्यंजन बनाकर ज्यादा खाते भी हैं, तो वजन बढ़ना लाजमी है। लेकिन बाजरा का प्रयोग वजन कम करने में आपकी मदद करता है।
- इसमें भरपूर मात्रा में डायट्री फाइबर होते हैं जो पाचन में लाभकारी होते हैं और कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम कर मोटापा घटाने में मददगार साबित होते हैं।
- बाजरा में ट्रायप्टोफेन अमीनो एसिड पाया जाता है, जो भूख को कम करता है। इसका सेवन सुबह के नाश्ते में करने से लंबे समय तक आपको भूख नहीं लगती और पेट भरा रहता है।

लेदर की जैकेट खरीदते समय इन बातों का रखें ध्यान

सर्दियों के फैशन की बात हो लेदर की जैकेट का नाम ना आए,, भला ऐसा भी कहीं हो सकता है। लेदर की जैकेट लड़को और लड़कियों सभी को बहुत भाती है। शार्ट, लॉग शर्ग आदि कई तरह से लेदर की जैकेट से बाजार भरा रहता है। पर आपके लिए कौन सी जैकेट बेहतर रहेंगी इसका चुनाव सावधानी से करें।

जैकेट की फिंटिंग हो सही

- जैकेट का टेक्सचर कोई भी पर सबसे ज्यादा जरूरी होता है उसकी सही फिंटिग का होना। लेदर के जैकेट के साथ भी यहीं बात लागू होती है। कुछ लेदर की जैकेट पहनने से आपका लुक हेवी हो जाता है। ध्यान रखें कि ऐसी जैकेट आपको रफ लुक देती है। इन्हें आप जींस और बूट्स के साथ पहन सकते है।

क्वालिटी का रखें ध्यान

- लेदर बाजार में कई तरह की क्वालिटी में उपलब्ध होता है। लेदर क मंहगा कपड़ा होता है। इसलिए कई बार लोग खराब क्वालिटी के लेदर को खरीद लेते है। जो जल्दी खराब होने के साथ , आपके लुक को भी बिगाड़ सकता है। अगर आपको लेदर का जैकेट ही पहनना है तो क्वालिटी के साथ समझौता ना करें।

बॉडी शेप

- लेदर गारमेंट को हर बॉडी शेप पर कैरी नहीं किया जा सकता है। कुछ लोगो पर लेदर टॉप की बजाय लेदर में लोअर्स अच्छे लगते हैं। हालांकि इसमें जैकेट्स को अलग रखा जाता हैं। स्लिम बॉडी फ्रेम पर टैपर्ड लुक वाली स्लिम पैंट्स बहुत अच्छी लगती हैं। अगर किसी की बॉडी हैवी है, तो वे स्ट्रेट कट ही चूज करें।

फैशन में लेदर

- लेदर को दूसरे फैब्रिक्स के साथ मैच करके पहनने पर इसका लुक गजब का आता है। अगर इसे किसी फैब्रिक पर बतौर एंबेलिशमेंट यूज किया गया हो, तो यह बहुत अच्छा दिखता है। गाउन के साथ लेदर कॉसेर्ट तो गजब ढाता है। वैसे, लेदर के साथ एक्सपेरिमेंट्स बढ़ने के साथ वे दिन भी बीत चुके हैं, जब लेदर को सिर्फ जैकेट्स में भी यूज किया जाता था।

प्रकृति से है प्यार, तो इन जगहों पर जाइये एक बार

भारत में पहाड़, पठार और समुद्र जैसे प्रकृति के ढेरों रंग हैं और घूमने के लिए ढेर सारे स्पॉट। आप घुमक्कड़ी हैं और गिने-चुने स्पॉट्स के नाम सुनकर थक चुके हैं तो यह हैं भारत के कुछ अनोखे स्पॉट्स जहां भीड़ अब तक नहीं पहुंची।

तूरा, मेघालय
मेघालय की खूबसूरत वादियों में जाना प्रकृति की गोद में जाने जैसा है।

बस्तर, छत्तीसगढ़
तस्वीर में दिख रहा चित्रकूट झरना बेहद खूबसूरत है और गर्मी के दिनों में यहां घूमने जाना बेहतर होता है।

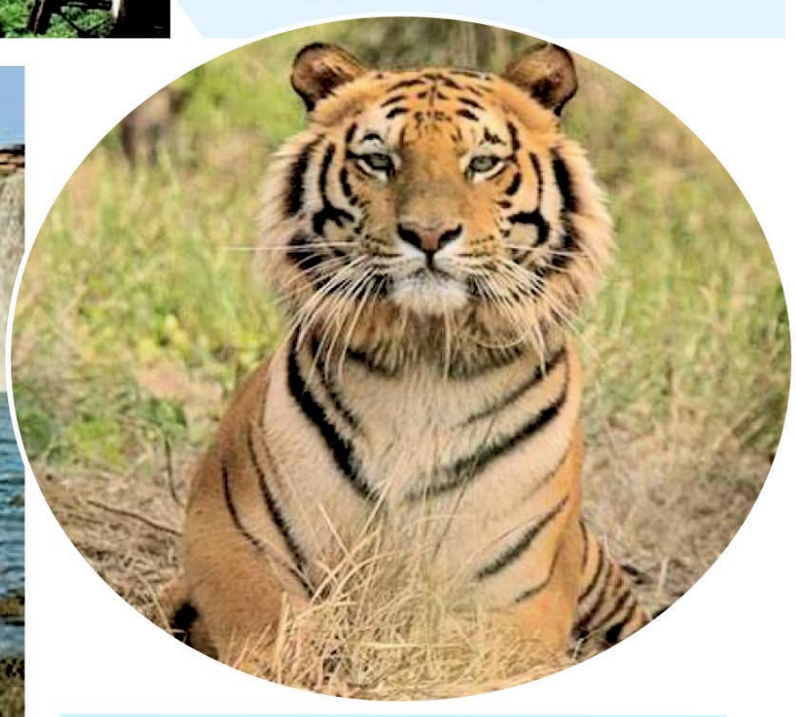

साइलंट वैली नैशनल पार्क, केरल
नीलगिरि के पहाड़ों पर फैला यह पार्क 200 किमी से भी ज्यादा में फैला हुआ है।

रेसिपी

पंजाबी मेथी मलाई

सामग्री

2 कप मेथी की ताजी पत्तियां, कटी हुई, एक कप ताजी क्रीम, एक बड़ा चम्मच घी या तेल
2 कप पानी, चीनी, चाहें तो, नमक-स्वादानुसार, पेस्ट बनाने के लिए सामग्री, एक प्याज, बारीक कटा, एक छोटा चम्मच जीरा
3-4 कलियां लहसुन, एक इंच अदरक
एक या 2 हरी मिर्च, आधा कप काजू
कटी हुई धनिया पत्ती से सजाएं.

विधि

पेस्ट बनाने की विधिः सबसे पहले एक ग्राइंडर जार में पेस्ट वाली सारी सामग्रियां डालें और थोड़ा पानी मिलाकर पेस्ट बना लें। **मटर मेथी मलाई बनाने की विधिः** मध्यम आंच पर एक कड़ाही या पैन में तेल या घी गरम करें। फिर इसमें तैयार किया पेस्ट डालें और 7 से 8 मिनट तक पकाएं। जब इसमें से खुशबू आने लगे तब इसे चलाएं और इसमें थोड़ा-सा पानी डालें जिससे पेस्ट कड़ाही से चिपके नहीं। फिर इसमें कटी हुई मेथी और एक चौथाई कप पानी डालें, आप पानी की मात्रा बढ़ा भी सकते हैं। इसे अच्छी तरह मिक्स कर के आंच धीमा कर दें और 10 मिनट तक पकाएं। अब इसमें मलाई डालें और 5-6 मिनट तक धीमी आंच पर पकाएं। फिर इसमें चीनी और नमक मिलाएं। पंजाबी मेथी मलाई को कटी हुई हरी धनिया से गार्निश करें और नान या पराठे के साथ गरमागरम सर्व करें।

लौकी के पकौड़े

सामग्री

2 पतली लौकी, छिली और गोल कटी हुई, 1 कटोरी बेसन, स्वादानुसार नमक, आधा छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर, आधा छोटा चम्मच धनिया पाउडर, आधा छोटा चम्मच गरम मसाला, एक चुटकी हल्दी, 2 बड़ा चम्मच हरी धनिया पत्ती, बारीक कटी हुई, 2-3 हरी मिर्च बारीक कटी हुई, तलने के लिए तेल

विधि

एक बर्तन में लौकी और तेल को छोड़कर बाकी के सभी मसाले मिलाकर गाढ़ा घोल तैयार कर लें। एक कढ़ाही में तेल डालकर गर्म करें। जब तेल गर्म हो जाए तो घोल में लौकी के टुकड़ों को घोल में डालकर अच्छी तरह लपेटें व कड़ाही में डालकर सुनहरा होने तक तल लें। इसी तरह से सभी पकौड़े तल लें और फिर किचन पेपर पर निकाल लें ताकि इनका अतिरिक्त तेल निकल जाए। लौकी के पकौड़े को चटनी के साथ गर्मागर्म सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**